महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 304 | उज्जैन, गुरुवार 16 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

अपने अतीत पर कभी पछतावा न करें, उसे अपने जीवन का शिक्षक मानकर अपनाएं

न्यूज ब्रीफ

भारत ने वीटो शक्ति वाले स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर दिया जोर

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में वीटो प्राप्त स्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया है। भारत ने कहा कि सुरक्षा परिषद में कोई भी सुधार अगर वीटो शक्ति वाले स्थायी सदस्यों की श्रेणी में विस्तार के साथ नहीं किया जाता है तो संयुक्त राष्ट्र की इस इकाई में मौजूदा असंतुलन और असमानताएं बनी रहेंगी। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ता बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वीटो के साथ या उसके बिना एक नई श्रेणी पर विचार करने से व्यापक विचारों वाली पहले से जारी चर्चा जटिल हो जाएगी। हरीश ने कहा, दो मूलभूत कारण हैं, जिनकी वजह से संरचना असंतुलित बनती है और परिषद की वैधता व प्रतिनिधित्व पर सवाल उठते हैं-ये सदस्यता और वीटो अधिकार हैं। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार की अत्यधिक आवश्यकता पर व्यापक सहमति है। यह स्पष्ट है कि 80 साल पहले डिजाइन की गई संरचना वर्तमान भू-राजनीतिक वास्तविकताओं की आवश्यकताओं को पूरा नहीं करती। भारत दशकों से सुरक्षा परिषद में सुधार की मांग कर रहा है, जिसमें इसके स्थायी और अस्थायी दोनों वर्गों का विस्तार शामिल है। भारत का कहना है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की यह परिषद 21वीं सदी के लिए उपयुक्त नहीं है और समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है। भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि वह परिषद में स्थायी सीट का हकदार है। हरीश ने कहा, अतीत में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां निर्वाचित सदस्यों ने केवल अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अपने प्रभावी वीटो का प्रयोग करके बाधाएं उत्पन्न की है।

जयशंकर ने वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों को बताया गलत

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को जापान की मेजबानी में हुई एजेक पल्स% बैठक में साफ कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर हमले पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष में पिछले आठ हफ्तों में दर्जन भर से ज्यादा जहाजों पर हमले हुए हैं। हमले ईरान और अमेरिका दोनों तरफ से किये गये हैं। जयशंकर ने यह बात इसलिए भी उठाई है कि वैश्विक शिपिंग उद्योग में काम करने वाले भारतीयों की संख्या काफी ज्यादा है। जयशंकर ने कहा कि, इन अशांत समय में पश्चिम एशिया की स्थिति पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हम सभी संघर्ष को लेकर गहरी चिंतित हैं और शीघ्र सामान्य स्थिति बहाल होने की कामना करते हैं। हम नागरिकों, बुनियादी ढांचे और वाणिज्यिक शिपिंग को निशाना बनाने का कड़ा विरोध करते हैं। जयशंकर ने आगे कहा, नौवहन सुरक्षित और बिना बाधा के होना आवश्यक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि हममें से हर एक ने इस संघर्ष का आर्थिक प्रभाव गहराई से महसूस किया है। जब ऊर्जा दुर्लभ और महंगी हो जाती है तो इसका पूरा समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। उक्त सम्मेलन के बाद विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत सुरक्षित और सुगम समुद्री परिवहन सुनिश्चित करने के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वैश्विक आर्थिक विकास निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर करता है, जो सुरक्षित समुद्री मार्गों पर टिका है। मुक्त और सुरक्षित समुद्री पारगमन अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए जरूरी है। मर्चेंट शिपिंग पर किसी भी तरह का हमला न सिर्फ अलग-अलग देशों को, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को खतरे में डालता है। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बाद अब तक कम से कम 16 वाणिज्यिक जहाजों को प्रोजेक्टाइल्स, विस्फोटक नावों और ड्रोन से निशाना बनाया गया है। ऐसे में नाविक सुरक्षा भारत के लिए बड़ी चिंता है।

हम देश को मातृसत्ता से जोड़ रहे हैं : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के राजनैतिक सशक्तिकरण का नया युग हो रहा है आरंभ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा करते हुए मध्यप्रदेश सहित देश को सशक्त बनाया है। उन्होंने असंभव को संभव कर दिखाया है। हम देश को मातृसत्ता से जोड़ रहे हैं। गुरुवार 16 अप्रैल 2026 महिला सशक्तिकरण की मंगलमय तारीख होगी। देश की विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का विषय आएगा तो वह समय देश में होली-दीवाली एक साथ मनाने जैसा होगा। शासन के सूत्र जब बहनों के हाथ में आते हैं तो संवेदनशीलता से परिपूर्ण कितने नवाचार किए जा सकते हैं, इसके कई उत्कृष्ट उदाहरण हमारे सामने हैं। मध्यप्रदेश रानी दुर्गावती की धरती है। राज्य सरकार ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई। उनकी शासन व्यवस्था में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बलबूते पर काशी में बाबा विश्वनाथ का धाम बनाया। सभी तीर्थ स्थलों पर अन्न क्षेत्र और यात्रियों के रुकने की व्यवस्था कराई। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के राजनैतिक सशक्तिकरण का नया युग आरंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ÷नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम-प्रबुद्ध जन सम्मेलन%% को संबोधित कर रहे थे। रविंद्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में कार्यक्रम वंदे मातरम गान के साथ आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं, नगरीय निकायों तथा पंचायत राज संस्थाओं की प्रतिनिधियों, महिला पत्रकार, छात्राएं शामिल हुईं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बोर्ड परीक्षा में टॉपर बालिकाओं को सराहा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की हायर सेकेंड्री और हाई स्कूल परीक्षा की टॉपर छात्राओं की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत करने वाली छात्राओं का अंगवस्त्रम के साथ नारियल और पौधा भेंट कर अभिवादन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिला सशक्तिकरण पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नागरिक विकास एवं आवास राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह, शिक्षाविद सुश्री शोभा पैठनकर, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस और सांसद श्रीमती लता वानखेड़े विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यक्रम में जवाहर बाल भवन की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना का गायन किया।

मध्यप्रदेश में महिलाओं ने अदम्य साहस और नेतृत्व क्षमता के कई उदाहरण किए प्रस्तुत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नारी शक्ति के वंदन का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रदेश के नगरीय निकायों में बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश के आधे से अधिक स्थानीय निकायों की कमान बहनें संभाल रही हैं। लोकसभा में हमारी 6 बहनें सांसद और विधानसभा में 27 बहनें विधायक हैं। प्रदेश में 5 महिला मंत्री अपने विभागों की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। मध्यप्रदेश में महिलाओं ने अदम्य साहस और नेतृत्व क्षमता के कई उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। ग्वालियर अंचल से राजमाता विजया राजे सिंधिया ने तत्कालीन सरकार को छोड़ा और प्रदेश में पहली संविद सरकार बनाई। विनम्रता की प्रतिमूर्ति राजमाता ने कभी कोई पद नहीं लिया और जनता के लिए कार्य करती रहीं। इंदौर की बहन श्रीमती सुमित्रा महाजन लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष रहीं। पूर्व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज ने भी लोकसभा में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। आज देश का राष्ट्रपति का पद श्रीमती द्रोपदी मुर्मु संभाल रही हैं।

महिला कल्याण और महिलाओं के नेतृत्व में विकास हमारी प्राथमिकता- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में देश सशक्त हो रहा है। महिला कल्याण और महिलाओं के नेतृत्व में विकास उनकी प्राथमिकता है। इसी क्रम में हमारी बहनों को तीन तलाक से मुक्ति दिलाने का उल्लेखनीय कार्य भी हुआ है। देश में महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हो रहे हैं। जन चेतना के लिए नारी शक्ति वंदन अभियान को घर-घर पहुंचाना आवश्यक है। इससे हमारा लोकतंत्र अधिक समावेशी, सशक्त और संवेदनशील बनेगा।

सभी वर्गों और पार्टियों से नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने में सहयोग अपेक्षित ‍= सुश्री भूरिया- महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लागू होने जा रहे नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश में नारी शक्ति को सशक्त नेतृत्व के और अधिक अवसर मिलेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकतंत्र की मजबूती के लिए महिलाओं को आरक्षण देने की पहल की है।

प्रयागराज में ट्रेन की चपेट में आने से 5 की मौत, पटरी पर शव देख रुकी थी ट्रेन; ट्रैक पर उतरे 4 यात्रियों की भी गई जान

प्रयागराज/ जीएनएस। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर करछना के पास बुधवार शाम हृदयविदारक घटना हुई। ट्रेन की चपेट में आने से पांच लोगों की हो गई। मरने वाले तीन युवकों की पहचान हुई है, जबकि दो की पहचान कराने की कोशिश हो रही है। रेलवे की ओर से भी मामले की जांच कराई जा रही है। पुलिस, जीआरपी के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच कर रहे हैं। दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन पर पचदेवरा गांव के पास हुए हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही।

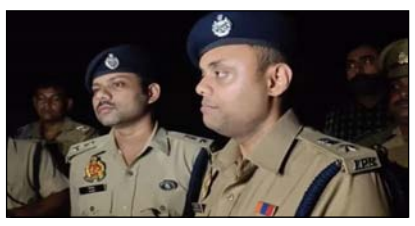

बुधवार शाम करीब सवा छह बजे कालका एक्सप्रेस के लोको पायलट ने पचदेवरा गांव के पास पटरी पर एक युवक की लाश देखकर ट्रेन रोक दी। उसने कंट्रोल रूम को सूचना दी। ट्रेन के ठहरने पर उसमें सवार कई यात्री नीचे उतर गए। चार युवक पटरी पर मौजूद थे। तभी कालका एक्सप्रेस का हार्न बजा तो पटरी पर मौजूद युवक चढ़ने के लिए आगे बढ़े।

इसी दौरान दूसरी दिशा से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस आ गई। उसकी चपेट में आने से चार अन्य युवकों की भी मौत हो गई। घटना से वहां अफरातफरी मच गई। पांच युवकों की मौत से ट्रेन का आवागमन भी प्रभावित हो गया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर डा. अजय पाल शर्मा, डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव, एसपी जीआरपी प्रशांत वर्मा अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे।

महिला आरक्षण और परिसीमन बिलः पास होगा विधेयक या विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ेगा संसद का सत्र?

नई दिल्ली/ जीएनएस। सरकार द्वारा संसद के विशेष सत्र में लाए जा रहे नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम और परिसीमन विधेयक को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तर्क-संघर्ष तय है, लेकिन विपक्ष की अब तक की तैयारी के बीच सरकार को विश्वास है कि वह निष्कंटक रूप से दोनों विधेयकों को पारित कराने में सफल हो जाएगी।

इसका आधार न सिर्फ छोटे दलों के साथ गृह मंत्री अमित शाह की पहले ही हो चुकी विस्तृत वार्ता है, बल्कि सत्ता पक्ष का मानना है कि जब संसद में दोनों विधेयकों की जानकारी विस्तार से साझा करते हुए सदन में आश्वस्त कर दिया जाएगा कि परिसीमन में किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं होगा, तब विपक्ष के सामने समर्थन न करने का कोई ठोस कारण नहीं होगा।

माना जा रहा है कि गुरुवार को खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी चर्चा में हिस्सा लेंगे जबकि शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह चर्चा का जवाब दे सकते हैं। नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक हो या परिसीमन विधेयक, यह दोनों ही संविधान संशोधन विधेयक हैं।

विधायी नियमानुसार, इन्हें पारित कराने के लिए सदन के कम से कम दो तिहाई सदस्यों का मत या समर्थन आवश्यक है। वर्तमान में लोकसभा में सदस्यों की कुल संख्या 540 है, इसलिए इन विधेयकों को पारित कराने के लिए सरकार को 360 सदस्यों का समर्थन चाहिए।

25, 18 या 10 प्रतिशत... भारत पर कितना लगेगा टैरिफ? अगले हफ्ते अमेरिका से ट्रेड डील पर होगी बात

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के वैधानिक दस्तावेज को अंतिम रूप देने के लिए अगले सप्ताह वाणिज्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का दल रवाना हो रहा है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत अभी भारत समेत दुनिया के समस्त देशों के लिए अमेरिका में 10 प्रतिशत का शुल्क नियम लागू है।

भारत पर कितना लगेगा टैरिफ- इस नियम से पहले भारत पर अमेरिका ने 25 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क तो रूस से तेल खरीदने के कारण 25 प्रतिशत का शुल्क जुर्माने के रूप में लगा रखा था। व्यापार समझौते की सैद्धांतिक मंजूरी में भारत अमेरिका में 18 प्रतिशत का शुल्क देने के लिए राजी है। भारत का अब कहना है कि अगले सप्ताह होने वाली बैठक में भारत यह देखेगा कि शुल्क को लेकर उन्हें अमेरिका से क्या आश्वासन मिलता है। भारत अमेरिका के बाजार में अपने प्रतिद्वंद्वी देशों पर बढ़त चाहता है। उसी को ध्यान में रखते हुए समझौते के वैधानिक दस्तावेज को अंतिम रूप दिया जाएगा।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि आगामी मई से ब्रिटेन के साथ हो चुके व्यापार समझौते पर अमल आरंभ हो जाएगा।

पीएम मोदी की लोगों से नौ संकल्प लेने की अपील, विकसित भारत के लिए रखा लक्ष्य

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को लोगों से जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती, स्वास्थ्य और सेवा से संबंधित नौ सामूहिक संकल्प लेने की अपील की, ताकि विकसित कर्नाटक और विकसित भारत का सपना साकार हो सके।

मांड्या के आदिचुनचनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि यदि हम ईमानदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इन नौ संकल्पों पर आगे बढ़ें, तो हम तेजी से विकसित भारत की ओर बढ़ सकते हैं। यह मंदिर वोक्कालिगा समुदाय द्वारा पूजनीय मठ के 71वें पीठाधीश्वर बालगंगाधरनाथ महास्वामी को समर्पित एक स्मारक है।

कर्नाटक में पीएम मोदी का संबोधन- पीएम मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के साथ सौंदर्य लहरी और शिव महिम्न स्तोत्र नामक एक पुस्तक का विमोचन भी किया।

पीएम ने अपने संबोधन में कहा, मैं अक्सर कहता हूं कि कर्नाटक तत्व-ज्ञान (दार्शनिक ज्ञान) और तंत्र-ज्ञान (तकनीकी ज्ञान) दोनों में समृद्ध है। यानी यहां दर्शन की गहराई और प्रौद्योगिकी की शक्ति दोनों मौजूद है।

प्रधानमंत्री ने आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों के माध्यम से समाज का मार्गदर्शन करने में मठ की भूमिका की सराहना करते हुए इसकी लगभग दो हजार साल पुरानी विरासत का उल्लेख किया।

सरकारी पहलों के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं से करोड़ों गरीब नागरिकों को मुफ्त इलाज मिल रहा है। 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवा मिल सके, इसके लिए इन योजनाओं का विस्तार किया गया है।

भी जीवों के प्रति संत की करुणा को याद करते हुए मोदी ने मोर संरक्षण के प्रयासों को पर्यावरण और सांस्कृतिक चेतना का उदाहरण बताया। कहा कि यह सिर्फ पर्यावरण संरक्षण की बात नहीं है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना से भी जुड़ा है। मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है और भगवान सुब्रह्मण्यम से भी संबंधित है।

परिसीमन के खिलाफ एकजुट होकर वोट करेगा विपक्ष, महिला आरक्षण बिल पर जताई सहमति

नई दिल्ली/ जीएनएस। विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण के प्रति अपना संपूर्ण समर्थन दोहराने के साथ ही यह भी साफ कर दिया है कि वह परिसीमन के प्रस्तावों का तगड़ा विरोध करेगा।

इस एलान से स्पष्ट है कि विपक्ष की लगभग सभी पार्टियां प्रस्तावित 131वें संविधान संशोधन बिल में शामिल परिसीमन के प्रविधानों के खिलाफ एकजुट होकर संसद में वोट डालेंगी।

विपक्ष ने परिसीमन का किया विरोध- इस संविधान संशोधन विधेयक को पारित करने के लिए बुलाए गए तीन दिन के विशेष संसद सत्र से एक दिन पहले बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में 21 विपक्षी पार्टियों के नेताओं की हुई रणनीतिक बैठक में एक स्वर से परिसीमन के विरोध का फैसला लिया गया।

मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक के बाद महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन बिल में ही परिसीमन प्रस्ताव शामिल किए जाने को सरकार की राजनीतिक चालबाजी बताते हुए कहा कि हम निसंदेह महिला आरक्षण का समर्थन करते हैं मगर जिस तरीके से यह बिल लाया जा रहा हम उसके खिलाफ हैं।

उज्जैन ने बोर्ड परीक्षा के नतीजों ने मारी बाजी

मेरिट में भी चमके विद्यार्थी-10वीं में 2.5% और 12वीं में 6.24% की बढ़ोतरी, कई स्कूलों ने दिया 100% रिजल्ट, कमजोर प्रदर्शन वाले स्कूलों को नोटिस

नई दिल्ली/ जीएनएस। जिले में इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों ने शिक्षा व्यवस्था की तस्वीर बदलने का संकेत दिया है। कक्षा 10वीं और 12वीं दोनों के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज हुआ है। खास बात यह रही कि न सिर्फ पास प्रतिशत बढ़ा, बल्कि प्रदेश की प्रावीण्य सूची में भी उज्जैन के विद्यार्थियों ने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई।

कक्षा 10वीं का रिजल्ट पिछले वर्ष के 80.57% से बढ़कर 83.03% पहुंच गया, यानी करीब 2.5% की वृद्धि। वहीं कक्षा 12वीं का परिणाम 79.99% से छलांग लगाकर 86.23% पर पहुंच गया, जो 6.24% की बड़ी बढ़ोतरी है। इससे जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार साफ नजर आ रहा है।

मेरिट लिस्ट में उज्जैन का जलवा- कक्षा 10वीं में जिले के 8 विद्यार्थियों ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाया। इनमें-

-कु. आस्था रांका (494/500) - 6वां स्थान

-कु. कल्पना दबीया व कु. उर्वशी शर्मा (493/500) - 7वां स्थान

-कु. शांति (491/500) - 9वां स्थान

-कु. सृष्टि श्रीपाल (490/500) - 10वां स्थान

कक्षा 12वीं में भी 6 विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

-कला संकाय- कु. ज्योति यादव (485/500) - 5वां स्थान

-वाणिज्य संकाय- कु. राधिका मालवीय (485/500) - 6वां स्थान

-कु. सलोनी पण्डया (481/500) - 10वां स्थान

100 फ़ीसदी रिजल्ट देने वाले स्कूलों की बढ़ी संख्या...

जिले में कक्षा 10वीं के 28 और कक्षा 12वीं के 6 विद्यालयों ने शत-प्रतिशत परिणाम देकर अपनी गुणवत्ता साबित की है। यह उपलब्धि जिले की शिक्षा व्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

प्रथम श्रेणी में भी बढ़ा प्रदर्शन- इस बार बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की।

10वीं- 4483 विद्यार्थी (59.64%)

12वीं- 4137 विद्यार्थी (67.72%)

अधिकारियों ने किया सम्मान, दी बधाई- जिला प्रशासन भी अच्छे परिणामों से उत्साहित नजर आया। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्रेयान्स कुमट ने मॉडल महिदपुर स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों का सम्मान किया। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी महेंद्र खत्री और एडीपीसी गिरीश तिवारी ने उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों को बधाई देकर उनका उत्साह बढ़ाया।

कमजोर स्कूलों पर सख्ती, नोटिस जारी- जिन विद्यालयों का परिणाम 60 प्रतिशत से कम रहा, उन पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। इनमें उज्जैन जिले के10वीं के 18 स्कूलों तथा 12वीं के 3 स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा नतीजों की झलक

10वीं- 7517 में से 6207 पास

12वीं- 6110 में से 5267 पास

10वीं पास प्रतिशत- 83.03%

12वीं पास प्रतिशत- 86.23%

मेरिट में चयन- 10वीं - 8 छात्र, 12वीं - 6 छात्र

100 प्रतिशत रिजल्ट- 10वीं - 28 स्कूल, 12वीं - 6 स्कूल

इंदौर में सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स के साथ पुलिस का विशेष संवाद सत्र, जिम्मेदारी और जागरूकता पर जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस कमिश्नरेट द्वारा शहर के प्रमुख सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर्स, यूट्यूबर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के साथ एक विशेष कार्यशाला एवं संवाद सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 15 अप्रैल 2026 को आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में डिजिटल क्रिएटर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग, सही जानकारी के प्रसार और समाज में सकारात्मकता बढ़ाने पर केंद्रित रहा।

इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने उपस्थित इनफ्लुएंसर्स से सीधा संवाद किया और उन्हें सोशल मीडिया वॉलिंटियर बनकर जन-जागरूकता फैलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इंदौर एक जागरूक शहर है और अब कंटेंट क्रिएटर्स की भूमिका भी समाज में काफी महत्वपूर्ण हो गई है, इसलिए उनकी जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। उन्होंने रचनात्मकता के साथ जिम्मेदारी निभाने और झूठी लोकप्रियता के लिए नकारात्मक या भ्रामक सामग्री से दूर रहने की सलाह दी।

कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से यह समझाया गया कि कंटेंट पोस्ट करने से पहले उसकी सत्यता, सामाजिक प्रभाव और कानूनी पहलुओं का ध्यान रखना जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि भ्रामक, आपत्तिजनक या कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाली सामग्री साझा करने पर आईटी एक्ट सहित अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

संवाद सत्र के दौरान इनफ्लुएंसर्स ने सोशल मीडिया से जुड़े कई सवाल भी पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने विस्तार से जवाब दिया। पुलिस ने सभी से यातायात नियमों, साइबर सुरक्षा और महिला सुरक्षा से जुड़े संदेशों को आम जनता तक पहुंचाने में सहयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम के अंत में इनफ्लुएंसर्स ने इंदौर पुलिस के इस प्रयास की सराहना की और आश्वासन दिया कि वे सोशल मीडिया का उपयोग समाज में सकारात्मकता और जागरूकता फैलाने के लिए करेंगे। वहीं पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे सोशल मीडिया का उपयोग जिम्मेदारीपूर्वक करें और किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी साझा करने से बचें।

रतलाम मंडल में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती मनाई गई, अधिकारियों- कर्मचारियों ने दी श्रद्धांजलि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम में पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल कार्यालय में भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार और अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री के.एल. मीना सहित मंडल के सभी शाखाधिकारी, कर्मचारी, ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि तथा एससी, एसटी एवं ओबीसी एसोसिएशनों के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके द्वारा समाज सुधार, समानता और राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। वक्ताओं ने उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक बताते हुए सामाजिक न्याय और समान अवसर की दिशा में उनके मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क विभाग के अनुसार, मंडल कार्यालय के अलावा अन्य कार्यालयों और कार्यशालाओं में भी जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां कर्मचारियों ने डॉ. अम्बेडकर के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

निःशुल्क शिक्षा के अधिकार अधिनियम में एडमिशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाइन नंबर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन ने कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन पर निःशुल्क शिक्षा के अधिकार अधिनियम में एडमिशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। अभिभावक जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर 0731-2431117 पर अपनी शिकायत सीधे दर्ज करा सकते हैं। यह हेल्पलाइन कार्यालयीन समय में संचालित रहेगी।

अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि वे निःशुल्क शिक्षा के अधिकार अधिनियम में एडमिशन संबंधी किसी भी तरह की समस्याओं को इस नम्बर पर दर्ज करा सकते हैं। चयनित बच्चों को स्कूल में एडमिशन नहीं देने तथा किसी भी तरह से परेशान करने वाले स्कूलों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

इसी हेल्पलाइन पर स्कूलों में किताबों, स्टेशनरी एवं यूनिफॉर्म के नाम पर अधिक कीमत वसूली या अभिभावकों को जबरन खरीद के लिए बाध्य किए जाने की शिकायतें भी की जा सकती है।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की शिक्षा विभाग द्वारा त्वरित जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा नागरिक शैक्षणिक के साथ ही अन्य शिकायतें भी इसी हेल्पलाइन नंबर पर कार्यालयीन समय में दर्ज करा सकते हैं।

प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना तुरंत दें, ताकि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके।

इंदौर जिले में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व निःशुल्क लाइव योग अभियान प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष विभाग इन्दौर द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। उक्त संबंध में आयुष मंत्रालय भोपाल के द्वारा आदेश जारी किया गया है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में इसके पूर्व जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से फ्री लाइव योग कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

इंदौर जिले में 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम घोषित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में सत्र 2025-26 के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के हाईस्कूल (10वीं) एवं हायर सेकेंडरी (12वीं) के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जिले में उक्त परीक्षा परिणामों में शासकीय विद्यालयों का उल्लेखनीय और बेहतर प्रदर्शन रहा है। शासकीय स्कूलों के अनेक विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर गौरवशाली उपलब्धि हासिल की है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती शांता स्वामी ने बताया कि जिले में 12वीं कक्षा के शासकीय विद्यालयों का परिणाम 74.51 प्रतिशत रहा है, जबकि अशासकीय विद्यालयों का परिणाम 68.56 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसी तरह 10वीं कक्षा के परिणामों में शासकीय विद्यालयों का परिणाम 73.90 प्रतिशत तथा निजी विद्यालयों का परिणाम 65.77 प्रतिशत रहा।

इंदौर जिले के शासकीय कन्या उमावि राजेंद्र नगर की छात्रा कृष्णा संतोष खाजेकर ने राज्य मेरिट में 9वां स्थान प्राप्त किया, साथ ही जिले में प्रथम स्थान हासिल कर इंदौर का नाम रोशन किया। इसी तरह शासकीय-अशासकीय स्कूलों के अन्य बच्चों ने भी राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मेरिट में स्थान हासिल किया है। इनमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नेहरू नगर की पलक प्रकाश चौरसिया, ज्ञान सागर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अथर्व केशवराव, ओएसिस कान्वेंट की याशी यशवंत धनेरिया, एमबीएस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की जान्हवी महेन्द्र कुशवाह, तीरथबाई कलाचंद स्कूल की तन्वी संदीप कुमावत और श्री गरिमा विद्या विहार की प्रेरणा अनिरूद्ध सिंह बैस शामिल है।

इंदौर में सफाई व्यवस्था पर सख्ती, आयुक्त ने कई क्षेत्रों का किया निरीक्षण, लापरवाही पर कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने शहर के विभिन्न जोनों में सघन निरीक्षण किया। इस दौरान झोन क्रमांक 18, 22, 10, 13 और 15 के अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा करते हुए सफाई व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर गंदगी और लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मचारियों और एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान झोन 18 अंतर्गत तीन इमली बस स्टैंड और उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था खराब पाई गई। विशेष रूप से सार्वजनिक शौचालय की स्थिति संतोषजनक नहीं होने पर आयुक्त ने संबंधित केयरटेकर को फटकार लगाते हुए एजेंसी पर 10 हजार रुपये की पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए। साथ ही तीन इमली ब्रिज के नीचे और आसपास के क्षेत्रों में नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान दुकानों के बाहर डस्टबिन नहीं पाए जाने पर दो दुकानों पर एक-एक हजार रुपये का स्पॉट फाइन भी लगाया गया।

इसके अलावा झोन 22 के वार्ड 31 में सत्य साई चौराहे से बॉम्बे हॉस्पिटल तक और झोन 10 के वार्ड 39 में लाभगंगा क्षेत्र के आसपास निरीक्षण के दौरान गंदगी मिलने पर संबंधित दरोगाओं के एक-एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। इसी तरह झोन 18 के वार्ड 64 में एबी रोड स्थित आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज के पास गंदगी पाए जाने पर भी संबंधित दरोगा पर कार्रवाई की गई।

झोन 15 के वार्ड 83 में गोंदवले धाम से चंदन नगर तिराहे के बीच ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में कचरा मिलने पर भी संबंधित दरोगा का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। वहीं झोन 13 के चौइथराम सब्जी मंडी और आसपास के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पाए जाने पर क्षेत्रीय स्वास्थ्य निरीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी करने और दरोगा का वेतन काटने के निर्देश दिए गए।

आयुक्त श्री सिंघल ने स्पष्ट किया कि शहर में स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी रखने और शहर को स्वच्छ बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

ओंकारेश्वर में 17 से 21 अप्रैल तक 'आचार्य शंकर प्रकटोत्सव' मनाया जाएगा

17 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम में होंगे शामिल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्य प्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा आदि गुरु शंकराचार्य के प्रकटोत्सव वैशाख शुक्ल पंचमी के उपलक्ष्य में एकात्म पर्व का पंच दिवसीय भव्य आयोजन 17 से 21 अप्रैल, 2026 तक ओंकारेश्वर के मांधाता पर्वत पर स्थित एकात्म धाम में आयोजित किया जा रहा है । इस कार्यक्रम का शुभारंभ 17 अप्रैल को प्रातः 9.30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, द्वारका पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी के पावन सान्निध्य तथा विवेकानंद केंद्र की उपाध्यक्ष पद्मश्री निवेदिता भिड़े, स्वामी शारदानंद सरस्वती की उपस्थिति में होगा। आगामी 21 अप्रैल को शंकरावतरणम् में संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि और चिन्मय मिशन के स्वामी तेजोमयानंद सरस्वती, दक्षिणामूर्ति मठ, के प्रमुख स्वामी पुण्यानंद गिरि, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति बी. राम सुब्रमण्यम प्रमुख रूप से सम्मिलित होंगे।

अद्वैतामृतम् - विमर्श सभा में विभिन्न विषयों पर होगा संवाद- इस सत्र के अंतर्गत अद्वैत वेदांत की समकालीन परंपराओं पर विस्तृत चर्चा होगी, जिसमें 17 अप्रैल को अद्वैत एवं जैन-जी जैसे महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय पर स्वामी स्वात्मानंद सरस्वती, स्वामिनी ब्रह्मप्रज्ञानंद सरस्वती, सतावधानी ललितादित्य और विशाल चौरसिया युवाओं के नजरिए से अद्वैत की व्याख्या करेंगे। उड़िया बाबा पर माँ पूर्णप्रज्ञा, स्वामी प्रणवानंद सरस्वती और आचार्य मिथिलेशनन्दिनी शरण (अयोध्या) इस परंपरा के दार्शनिक पहलुओं पर चर्चा करेंगे।

18 अप्रैल को रामकृष्ण मिशन पर स्वामी जपसिद्धानंद, स्वामी वेदतत्त्वानंद पुरी और बेलूर मठ के स्वामी सर्वभद्रानंद अद्वैत के सेवा भाव पर प्रकाश डालेंगे, वहीं सिख संप्रदाय पर आयोजित सत्र में निर्मल अखाड़ा के स्वामी दर्शन सिंह और प्रो. जगबीर सिंह अद्वैत और एक ओंकार के अंतर्संबंधों पर विमर्श करेंगे। अद्वैत एवं पर्यावरण विषय पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के स्वामी चिदानंद सरस्वती और डॉ. बालकृष्ण पिसुपति अद्वैत दृष्टि से प्रकृति संरक्षण पर बात करेंगे। इसी दिन रमण आश्रम पर आयोजित सत्र में डॉ. वेंकट एस. रमणन, प्रो.भूपेंद्र गोदारा और स्वामिनी सद्विद्यानंद सरस्वती महर्षि रमण के आत्म-विचार पर संवाद करेंगे।

आधुनिक प्रासंगिकता- संवाद और कार्यशाला- महोत्सव में अद्वैत दर्शन को नई पीढ़ी और आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए विशेष सत्र रखे गए हैं, जिसमें 19 अप्रैल को अद्वैत एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता आयोजित सत्र में स्वामी परम शिवानंद, डॉ. प्रत्युष कुमार, कल्याण मुत्तुराजन और प्रो. राहुल गर्ग ए.आई. और चेतना के विषयों पर चर्चा करेंगे।

इंदौर नगर निगम का विशेष शिविर, दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों को राहत, 22 प्रकरणों का मौके पर निराकरण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में नगर पालिक निगम द्वारा दिवंगत कर्मचारियों के परिजनों और सेवानिवृत्त कर्मियों के लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देश और शासन के दिशा-निर्देशों के तहत निगम मुख्यालय परिसर में आयोजित इस शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को समय पर राहत और उनके अधिकार दिलाना रहा।

शिविर का निरीक्षण सामान्य प्रशासन प्रभारी श्री नंदकिशोर पहाड़िया, अपर आयुक्त श्री मनोज पाठक और उपायुक्त श्री केशव सगर द्वारा किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने प्राथमिकता के आधार पर आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए।

शिविर में अनुकम्पा नियुक्ति, पेंशन, ग्रेच्युटी, जीपीएफ, बीमा-सह-बचत योजना और समूह बीमा योजना से संबंधित कुल 48 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 22 प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कर संबंधित परिवारों को तत्काल राहत प्रदान की गई, जबकि शेष मामलों को शीघ्र निपटाने की प्रक्रिया में शामिल किया गया।

नगर निगम द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य लंबे समय से लंबित प्रकरणों का पारदर्शी और त्वरित समाधान सुनिश्चित करना रहा, ताकि सेवा के दौरान दिवंगत कर्मचारियों के आश्रितों को नियमानुसार अनुकम्पा नियुक्ति मिल सके और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन, ग्रेच्युटी व अन्य लाभ समय पर प्राप्त हो सकें।

नगर निगम ने स्पष्ट किया कि इस तरह के शिविर आगे भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे जरूरतमंद परिवारों को भटकना न पड़े और उन्हें एक ही स्थान पर सभी जरूरी सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

ग्रीष्म ऋतु में रखें सावधानी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रीष्म ऋतु में तापमान बढ़ने और गर्म हवा लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना अत्यधिक गर्मी से प्रभावित होना व तापघात के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं।

गर्मी व तापघात से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में 12 से 04 के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें।

बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं, बुखार व तापघात होने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। ह.ऋऽ. का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक होता है।

जिला प्रशासन की संवेदनशील पहल

दिव्यांगजनों को बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जिले में चलेगा सुगम्य इंदौर अभियान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में दिव्यांगजनों को बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सुगम्य इंदौर अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। यह अभियान दो चरणों में चलेगा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने जिले में ÷सुगम्य इंदौर अभियान÷ को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि यह अभियान दिव्यांगजनों के लिए शहर को अधिक सुलभ और सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर कार्यालय में सम्पन्न हुई इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान को चरणबद्ध तरीके से प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। बताया गया कि पहले चरण में जिले के सभी सार्वजनिक भवनों का सर्वे कर वहां दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी एकत्रित की जाएगी।

महिला नेतृत्व सशक्तिकरण की दिशा में इंदौर में विशेष सम्मेलन, 18 अप्रैल को होगा आयोजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देने की पहल के तहत नगर निगम द्वारा 18 अप्रैल को एक विशेष सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि देश एक ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, जहां वूमेन एंपावरमेंट से आगे बढ़कर अब वूमेन लेड एंपावरमेंटपर जोर दिया जा रहा है, जो महिलाओं की भागीदारी को नेतृत्व स्तर तक सशक्त बनाने का संकेत है।

उन्होंने बताया कि 16 अप्रैल को संसद में महिला आरक्षण से जुड़ा महत्वपूर्ण विधेयक प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है, जिसे लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस विधेयक के समर्थन में विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और मध्य प्रदेश में भी इसे लेकर सक्रियता दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नगरीय निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस विषय पर चर्चा करें और विशेष सम्मेलन आयोजित कर प्रस्ताव पारित करें।

इसी कड़ी में इंदौर नगर निगम द्वारा आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में महिला आरक्षण विधेयक पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। साथ ही केंद्र सरकार के इस प्रयास के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया जाएगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अभिनंदन व्यक्त किया जाएगा। महापौर ने कहा कि यह पहल न केवल महिला सशक्तिकरण को मजबूती देगी, बल्कि देश में महिला नेतृत्व को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगी। इस सम्मेलन को महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

माशिमं के हाईस्कूल परीक्षा परिणामों में आलीराजपुर जिला प्रदेश में द्वितीय और हायर सेकेंडरी में झाबुआ प्रथम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा बुधवार को प्रदेश में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा-2026 के परिणाम घोषित किए गए। इस वर्ष इंदौर संभाग के जिलों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। हाईस्कूल परीक्षा में इंदौर संभाग का आलीराजपुर जिला 92.14 प्रतिशत परिणाम के साथ प्रदेश में द्वितीय स्थान पर रहा है। वहीं हायर सेकेंडरी परीक्षा में झाबुआ जिला 93.23 प्रतिशत परिणाम के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। ज्ञात हो कि गत वर्षों में इन दो जिलो में बोर्ड की परीक्षाओं में साधारण परिणाम प्राप्त हुए थे। जबकि वर्ष 2026 की परीक्षा परिणामों ने संभाग के जनजातीय जिलों की शिक्षा में उल्लेखनीय बढ़ोत्तरी की है।

संभागीय संयुक्त संचालक श्रीमती अनीता चौहान द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार संभाग के झाबुआ जिले में हाईस्कूल के परिणामों में गत वर्ष का परिणाम 83.88 था वहीं इस वर्ष 87.83 प्रतिशत के साथ 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं वहीं हायर सेकेंडरी में गत वर्ष का प्रतिशत 82.12 था, वहीं इस वर्ष 93.23 प्रतिशत के साथ 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह आलीराजपुर जिले में हाईस्कूल में गत वर्ष का प्रतिशत 78.70 था वहीं इस वर्ष 92.14 प्रतिशत के साथ 14 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। हायर सेकेंडरी में गत वर्ष का प्रतिशत 61.28 था जिस पर 30 प्रतिशत वृद्धि के साथ 91.59 प्रतिशत हुआ है। धार जिले में हाईस्कूल का गत वर्ष 75.33 प्रतिशत था, वहीं इस वर्ष 79.20 प्रतिशत के साथ 4 प्रतिशत में वृद्धि हुई है। हायर सेकेंडरी में गत वर्ष 74.45 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष 80.61 के साथ 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार बड़वानी जिले में हायर सेकेंडरी में 79.34 से बढ़कर 85.27 प्रतिशत के साथ 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं, वहीं हाईस्कूल में 67.54 प्रतिशत से 78.36 प्रतिशत होकर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हायर सेकेंडरी में खण्डवा जिले में 3 प्रतिशत और खरगोन जिले में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इंदौर में ब्राउन शुगर तस्कर गिरफ्तार, खजराना पुलिस की कार्रवाई में 1 लाख की ड्रग्स जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खजराना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अकरम उर्फ अक्की नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 10 ग्राम से अधिक ब्राउन शुगर ड्रग्स जब्त की है, जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। इस कार्रवाई को नशे के कारोबार पर प्रभावी प्रहार के रूप में देखा जा रहा है।

पुलिस को सूचना मिलने के बाद खजराना क्षेत्र में लगातार निगरानी और संदिग्धों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान वाघेला गार्डन के पास स्कीम नंबर 134 में एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अकरम उर्फ अक्की पिता रशीद शाह, उम्र 30 वर्ष निवासी बडला खजराना बताया। उसने बताया कि वह नशे का आदी है और अपनी लत पूरी करने तथा जल्दी पैसा कमाने के लिए सस्ते में ड्रग्स खरीदकर महंगे दामों में बेचता था। आरोपी पांचवीं तक पढ़ा-लिखा है और टाइल्स का काम करता है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना खजराना में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस रिमांड लेकर उससे ड्रग्स के सप्लाई नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में पूछताछ की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मनोज सिंह सेंधव के नेतृत्व में पुलिस टीम के कई अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सहायक सचिवों की दहाड़, कहा-शासन के आदेशों का जिला पंचायत से नहीं होता क्रियान्वयन

सहायक सचिवों को मानदेय 4 माह से नहीं मिला, रैली निकाल कर दिया ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पंचायत सहायक सचिव संगठन द्वारा मानदेय एवं शासन के आदेशों का जिले में क्रियान्वयन नहीं होने से आक्रोशित होकर बुधवार को जिला पंचायत मंदसौर में नारेबाजी कर मुख्यमंत्री के नाम जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन सौपा।

मध्यप्रदेश पंचायत सहायक सचिव संगठन के जिला अध्यक्ष सुरेश सिंह परमार ने बताया की मध्यप्रदेश पंचायत सहायक सचिव या ग्राम रोजगार सहायक संगठन की बैठक जनपद पंचायत सभागृह मंदसौर में आयोजित की गई। जिसमें शासन के आदेशों को लागु नहीं करने एवं मानदेय नहीं मिलने को लेकर जिले के सहायक सचिवों द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया। जिले के सभी सहायक सचिव रैली के रूप में जिला पंचायत मंदसौर पहुंचे। जहां अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मांग की गई की शासन की सभी योजनाओं को क्रियान्वयन पंचायत सहायक सचिव द्वारा करने के बावजूद भी चार माह से अल्प मानदेय 18000 रु नहीं मिला है। साथ ही मानदेय भी एक कर्मचारी को दो विभागों द्वारा दिया जा रहा है। जिससे कभी 9000 मिलते हैं कभी 9000 नहीं मिलते हैं। मध्य प्रदेश शासन द्वारा पंचायत में एक पंचायत एक सचिव की व्यवस्था करने के आदेश जारी किए गए हैं। उसके बाद भी मंदसौर जिले में सहायक सचिवों को सचिव का प्रभार नहीं मिला है। मनरेगा निर्माण कार्यों में जहां सहायक सचिवों पर कार्य पूर्ण करने का दबाव बनाया जाता है। लेकिन सामग्री भुगतान के समय सहायक सचिव को जानकारी नहीं दी जाती है। मनरेगा परिषद से ग्राम रोजगार सहायक को बीएलओ के कार्य से मुक्त रखने के निर्देश दिये गए है लेकिन उसके बाद भी मंदसौर में सहायक सचिव को बीएलओ के प्रभार दिया गया है, जिससे मुक्त किया जाए। साथ ही मल्हारगढ़ जनपद पंचायत के सहायक सचिव नितिन जोशी के ऊपर एक पक्षीय कार्रवाई करते हुए झार्डा पंचायत से हटा दिया है ओर सचिव पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। उपरोक्त मांगो का निराकरण नहीं होने पर सहायक सचिव संगठन द्वारा आंदोलन किया जायेगा। जिसकी समस्त जवाबदारी मध्यप्रदेश शासन और जिला प्रशासन की रहेगी।

जयस के राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों का श्री राणा पूंजा भील चौराहे मंदसौर पर भव्य स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जयस (जय आदिवासी युवा शक्ति) के एक दिवसीय दौरे के दौरान मंदसौर आगमन पर राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकेश मुजाल्दा, प्रदेश अध्यक्ष पवन डावर, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जीवन ठाकुर, जयस छात्र अध्यक्ष बाबूलाल बघेल और धार जिला अध्यक्ष भारत सिंह गामड़ का प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर जयस नगरी मंदसौर के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने साफा पहनाकर फूलों की मालाओं के साथ सभी वरिष्ठ नेताओं का ज़ोरदार अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान समाज की एकजुटता और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने युवाओं को समाज के प्रति जागरूक रहने और अधिकारों के लिए लड़ने का आह्वान किया। इस दौरान संजय खराड़ी उज्जैन संभाग अध्यक्ष जयस राजु खराड़ी जिला अध्यक्ष, जिला पदाधिकारीयों बड़ी संख्या में नारी शक्ति जयस कार्यकर्ता और वरिष्ठजन ग्रामीण उपस्थित रहे।

कलेक्टर नीमच की संवेदनशील पहल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशानुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम तहत जन्मजात रोगों से ग्रसित वंचित बच्चों के उपचार हेतु गांव, गांव गहन सर्वे करवाया गया। सर्वे में नीमच ब्लाक के चंगेरा मात्र की बेटी वंशिका चन्द्रावत उम्र एक वर्ष पिता श्री कालूसिंह चन्द्रावत एवं ग्राम गिरदौडा से मा यश गायरी उम्र 6 माह पिता श्री गुलाबचन्द्र गायरी को आर.बी.एस.के.टीम ने जांच में पाया, कि बच्चों के पैर जन्म से तिरछे हैं। आर.बी.एस.के. टीम की सलाह पर परिजन बच्चों को जिला चिकित्सालय नीमच लाये। यहां पर हर गुरुवार को डीईआईसी केन्द्र में क्लब फुट क्लिनिक लगाया जाता हैं, जिसमें जिले के सभी क्लब फुट से ग्रसित बच्चों को बुलाकर उपचार किया जाता है एवं बच्चों को करेक्टिव शूज प्रदान किये जाते हैं। बालिका वंशिका एवं मास्टर यश के लगातार उपचार एवं परिजनों व्दारा नियमित फालोअप के फलस्वरूप बच्चों के पैर पूरी तरह से सीधे हो चुके हैं। बच्चों की माता बुलबुल चन्द्रावत एवं मन्जु गायरी ने बताया कि वे हर गुरुवार को बच्चों को डीईआईसी सेन्टर जिला चिकित्सालय में उपचार एवं फालोअप हेतु लेकर आते थे। अब बच्चों के पैर सीधे हो चुके हैं, उन्हें कोई पैसा खर्च नहीं करना पडा और बच्चों का उपचार हो गया है, वे काफी खुश है कि उनके बच्चे दिव्यांग होने से बच गये और अब अच्छे से चलने, फिरने में सक्षम हो रहे हैं। परीजन निःशुल्क उपचार पाकर खुश है और कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा की इस पहल के लिए शासन, प्रशासन को धन्यवाद दे रहे है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत 0 से 18 वर्ष के समस्त बच्चों की जन्मजात विकृतियों की सर्जरी मान्यता प्राप्त निजि एवं शासकीय अस्पतालो में निःशुल्क कराई जाती हैं। कलेक्टर ने इस योजनान्तर्गत आमजनों को अधिक से अधिक लाभ देने हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये हैं।

मंदसौर में श्री वासुपूज्य स्वामी नूतन जिनालय का भव्य शिलास्थापना महोत्सव 19 अप्रैल को होगा आयोजित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आनंद विहार जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्री संघ, मंदसौर के तत्वावधान में आगामी 19 अप्रैल, रविवार को आनंद विहार क्षेत्र में श्री वासुपूज्य स्वामी नूतन जिनालय एवं शिलापूजन का भव्य महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन प.पू. मेवाड़ देशोद्धारक आचार्य जितेन्द्र सूरीजी म.सा. के शिष्य प.पू. आचार्य श्री निपुणरत्न सूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में संपन्न होगा। इस अवसर पर शासन ज्योति उपेन्द्रयशा श्रीजी म.सा., सुहितरत्ना श्रीजी म.सा., श्री सुरभिरत्ना श्रीजी म.सा. एवं सुप्रितरत्ना श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 का भी मंगलमय सानिध्य प्राप्त होगा।

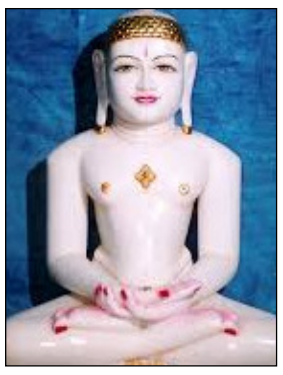

महोत्सव की शुरुआत प्रातः 6.30 बजे पाटला पूजन के साथ होगी, जिसके पश्चात प्रातः 8.30 बजे शिलापूजन और प्रातः 9.30 बजे शिलास्थापना की मुख्य विधि संपन्न की जाएगी। इन समस्त धार्मिक क्रियाओं को विधिकारक मनीष पितलिया द्वारा पूर्ण कराया जाएगा। कार्यक्रम की अगली कड़ी में प्रातः 11 बजे मांगलिक प्रवचन का आयोजन होगा और दोपहर 12.15 बजे से श्री संघ एवं आमंत्रित अतिथियों के लिए स्वामीवात्सल्य (भोज) रखा गया है। इस पुनीत कार्य में मुख्य शिला के लाभार्थी होने का सौभाग्य फतेहलाल, बाबूलाल, सुनील, अनील जैन, लक्षीता जैन (बालावत परिवार) डग वाला एवं फ्लायकिंग कोरियर, पार्श्वनाथ इन्टरप्राईजेस परिवार को प्राप्त हुआ है। महोत्सव में आठ शिलाओं के लाभार्थियों के रूप में पूनमचन्द दिलीप डांगी, शांतिलाल हिम्मत प्रदीप लोढ़ा, प्रीतम, विक्रम, केसरीमल जैन पचोरी, निर्मलकुमार संदीप डांगी, ओमप्रकाश दिलीप कुमार तितरोदिया, प्रकाशचन्द गुंदेचा, सीमा अनिल जैन (घी वाला) पिपलियामंडी, एवं राजेश बच्छावत व धर्मेन्द्र हिंगड़ का विशेष सहयोग रहा है। इसी प्रकार स्वामीवात्सल्य के मुख्य लाभार्थियों में राजेन्द्र सुराणा परिवार, माणकलाल अजीत संघवी परिवार, शांतिलाल लोढ़ा परिवार, लक्ष्मीनारायण संदीप धींग एवं कैलाशजी दिलीपजी संघवी परिवार शामिल हैं। आनंद विहार जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक श्री संघ के अध्यक्ष अजीत संघवी, संरक्षक राजेन्द्र सुराणा, सचिव सुरेश नाहटा, कोषाध्यक्ष छोटेलाल जैन एवं ट्रस्टी दिलीप डांगी, हिम्मत लोढ़ा व दिलीप संघवी ने समाज के सभी सदस्यों से इस भव्य महोत्सव में सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

डांगी (जैन) परिवार का श्री कुल भैरवजी पूजन व तेरहवां मिलन समारोह 1 मई को

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी डांगी (जैन) परिवार द्वारा वैशाखी पूनम पर श्री कुल भैरवजी पूजन व डांगी परिवार का तेरहवां मिलन समारोह श्री कुल भैरवजी के पाट स्थान फतेहगढ़ मंदसौर पर दिनांक 30 अप्रैल व 1 मई को रखा गया है। जिसमें देश भर के डांगी (जैन) परिवारजन उपस्थित रहेंगे। आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है तथा प्रथम आमंत्रण पत्रिका श्री कुल भैरव के चरणों में अर्पित कर डांगी परिवार को पत्रिका भेजने के कार्य का शुभारंभ किया गया। डांगी (जैन) गौत्रीय भेरूजी विकास समिति के संरक्षक दिलीप डांगी ने बताया कि यह भैरवजी का स्थान करीब 200 वर्ष पुराना प्राचीन एवं चमत्कारी है। जो फतेहगढ़ नदी के उत्तर किनारे विराजमान है। अध्यक्ष संदीप डांगी ने बताया कुलदेवी श्री बाणमाता का मंदिर चित्तौड़गढ़ के किले में स्थित है। डांगी परिवार की सात सतीमाता है जिसमें ग्राम गोगुन्दा उदयपुर, अजमेर में आनासागर की पाल पर, देलवाड़ा राजसमंद (काकरोली), गिलूण्ड धरियावली (चित्तौड़गढ), राताकोट (विजयनगर) अजमेर, लावा सरदारगढ़, शाहपुरा में स्थित हैं। सचिव जयेश डांगी ने बताया कि दिनांक 30 अप्रैल, गुरूवार को रात्रि 8 बजे पाट स्थापना (रात्रि जागरण) होगा। 1 मई, शुक्रवार को प्रातः 9 बजे भेरूजी पूजन तथा 12.30 बजे से डांगी (जैन) समाज के परिवारजनों का मिलन समारोह होगा। कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार स्व. श्री मानमल-कांता दीपक डांगी की स्मृति में विजय कुमार, संजय कुमार, सौरभ, गौरव, वैभव, अद्विक, अर्हित, निर्वाह, मेहर डांगी परिवार, रतलाम, इंदौर, एवं अजयकुमार, कल्पेन्द्रकुमार, कमलकुमार, वीरेन्द्रकुमार, हर्षित डांगी परिवार मंदसौर होंगे। यह सभी आयोजन देवनारायण मंदिर के पास, ग्राम फतेहगढ़ जिला मंदसौर में आयोजित होंगे। समिति संरक्षक मानमल डांगी भीलवाड़ा, घीसालाल डांगी भीलवाड़ा, दिलीप डांगी मंदसौर, उपाध्यक्ष मनोज डांगी जावरा, कोषाध्यक्ष विरेन्द्र डांगी, संचालक मण्डल राजेश डांगी, महेन्द्र डांगी, ललीत डांगी, कल्पेन्द्र डांगी, प्रमोद डांगी, हिम्मत डांगी ने सभी डांगी (जैन) परिवार से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

NHM फंड में गड़बड़ी के आरोपः भुगतान अटका, सीएचओ सड़कों पर- कलेक्टर तक पहुंची शिकायत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत फंड भुगतान को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) ने भुगतान में अनियमितता और भेदभाव के गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा है। सीएचओ का आरोप है कि वर्ष 2025-26 में उप स्वास्थ्य केंद्रों के लिए जारी फंड के भुगतान में पारदर्शिता नहीं बरती गई। नियम के अनुसार जन आरोग्य समिति के लिए 50 हजार और हेल्थ एंड वेलनेस एक्टिविटी के लिए 5 हजार रुपए प्रति केंद्र स्वीकृत किए गए थे, लेकिन कई मामलों में भुगतान अब तक अटका हुआ है। अधिकारी बताते हैं कि कई वेंडर्स को बिल जमा करने के बावजूद भुगतान नहीं मिला, जबकि कुछ को बिना स्पष्ट प्रक्रिया के राशि जारी कर दी गई। इससे पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे गंभीर बात यह है कि जिला लेखा प्रबंधक स्तर पर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

ग्रामसभा में सरपंच को दी जान से मारने की धमकी, पूर्व सरपंच के खिलाफ मामला दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम पंचायत सेमली में आयोजित ग्राम सभा के दौरान सरपंच के साथ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस थाना पिपलिया मण्डी ने इस प्रकरण में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम सेमली निवासी पुष्कर मालवीय (32) जो वर्तमान में ग्राम पंचायत के निर्वाचित सरपंच हैं, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल 2026 को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन में सुबह करीब 11रू30 बजे ग्राम सभा का आयोजन किया गया था। इस दौरान पंचायत सचिव राजकुमार व्यास सहित पंचगण उपस्थित थे। ग्राम सभा में नए मांगलिक भवन के निर्माण को लेकर स्थान चयन पर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान बैठक में मौजूद पूर्व सरपंच एवं वर्तमान पंच प्रकाश पाटीदार ने भवन को तालाब की जमीन पर बनाने की बात कही। इस पर सरपंच पुष्कर मालवीय ने आपत्ति जताते हुए कहा कि तालाब की भूमि पर निर्माण संभव नहीं है। आरोप है कि इस बात पर नाराज होकर प्रकाश पाटीदार ने सरपंच के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और धमकी देते हुए कहा कि ÷ज्यादा अपनी चलाएगा तो मार भी खाएगा।÷ विरोध करने पर आरोपी ने कथित रूप से जातिसूचक गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार, स्थिति तब और बिगड़ गई जब आरोपी सरपंच की ओर मारने के लिए दौड़ा। इस दौरान पंचायत सचिव राजकुमार व्यास और ग्रामीण नन्दलाल बावरी ने बीच-बचाव कर सरपंच को बचाया। आरोपी ने फिर धमकी दी कि ÷आगे पंचायत में अपनी चलाने की कोशिश की तो जान से खत्म कर दूंगा। टीआई विक्रमसिंह इवने बताया कि आरोपी प्रकाश के खिलाफ धारा 296 (बी), 351 (3) तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(द), 3(1)(ध), 3(2)(वी एं) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

प्रभारी मंत्री सुश्री भुरिया 16 अप्रैल को मंदसौर प्रवास पर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एकता जायसवाल ने बताया कि जिले की प्रभारी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री सुश्री निर्मला भुरिया 16 अप्रैल 2026 को मंदसौर प्रवास पर रहेगी। तय कार्यक्रम अनुसार प्रभारी मंत्री सुश्री भूरिया 16 अप्रैल को प्रात-8.30 बजे रतलाम से प्रस्थान कर मंदसौर आयेगी।

एक झटकाऊ और सब खत्म— चल्दू पुलिया पर स्पीड ने ली 6 साल के मासूम की जान! माता-पिता गंभीर, अब चक्काजाम

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के जीरन थाना क्षेत्र अंतर्गत चल्दू पुलिया पर बुधवार दोपहर हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने जहां एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया, वहीं घटना के बाद ग्रामीणों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने मौके पर चक्का जाम कर तेज रफ्तार वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई।

जानकारी के अनुसार मुकेश मेघवाल अपनी पत्नी कुसुम और 6 वर्षीय पुत्र नक्श के साथ मोटरसाइकिल से पालसोड़ा में एक सामाजिक कार्यक्रम से लौट रहे थे। दोपहर करीब 12 बजे चल्दू पुलिया के पास मंदसौर की ओर से आ रही तेज रफ्तार आर्टिका कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि मासूम नक्श की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए और सड़क पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर लगातार तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे हो रहे हैं, बावजूद इसके प्रशासन द्वारा ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे।

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश के बाद जाम खुलवाया। पुलिस ने कार को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इस हादसे ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर कब सड़कों पर तेज रफ्तार पर लगाम लगेगी और मासूम जिंदगियां यूं ही खत्म होने से बचेंगी।

नीमच का मेरिट पर कब्जा- 10वीं में 3 और 12वीं में 1 छात्र टॉप-10 में, बेटियों का रहा दबदबा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा 15 अप्रैल को घोषित कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों में नीमच जिले के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। जिले के 10वीं के तीन और 12वीं के एक छात्र ने टॉप-10 मेरिट सूची में स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

कक्षा 10वीं में शासकीय सांदीपनि विद्यालय की छात्रा प्रियांशी राठौर ने 495 अंक प्राप्त कर प्रदेश में 5वां स्थान हासिल किया। वहीं जिनेंद्र एजुकेशन एकेडमी, सिंगोली की प्रांजल सोनी और विजडम पब्लिक स्कूल, नीमच की मंतशा गौरी ने 490-490 अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से 10वां स्थान प्राप्त किया।

कक्षा 12वीं में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के वाणिज्य संकाय के छात्र प्रमोद मेघवाल ने 483 अंक के साथ प्रदेश में 8वां स्थान प्राप्त किया।

जिला शिक्षा विभाग के सहायक संचालक मनोज जैन के अनुसार कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा परिणाम 83.40 प्रतिशत रहा, जिसमें शासकीय विद्यालयों का परिणाम 90.21 प्रतिशत और निजी विद्यालयों का 72.56 प्रतिशत दर्ज किया गया। वहीं कक्षा 12वीं का कुल परिणाम 87.36 प्रतिशत रहा, जिसमें शासकीय विद्यालयों का 90.46 प्रतिशत और निजी विद्यालयों का 81.89 प्रतिशत परिणाम रहा।

जावद में सेन जयंती धुमधाम से मनाई, नगर में बैंड बाजो, ढोल ढमाको की थाप पर निकली विशाल शोभायात्रा

भाजपा नेता सोमानी के नेतृत्व में पुष्प वर्षा से हुआ स्वागत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी जावद में सेन समाज के आराध्य देव संत शिरोमणि सेन जी महाराज की जन्म जयंती पर विशाल शोभायात्रा, महाप्रसादी के साथ धुमधाम से मनाई गई। धानमंडी स्थित सेन समाज का मंदिर से ढोल ढमाको, बैंड बाजो की थाप पर विशाल शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकली। कन्याशाला स्कूल के सामने नगर में एक फोन पर जनसमस्या हल करने वाले भाजपा नेता नारायण सोमानी के नेतृत्व में पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान मनोज बाफना, सुनील कालिया सहित नगरवासी मौजूद थे। हिंदूवादी नेता नारायण सोमानी ने आकर्षण रथ पर विराजित सेनजी महाराज को केसरिया दुपट्टा समर्पित करके आशीर्वाद लिया। विशाल शोभायात्रा में समाजजन, महिला, पुरूष, युवाजन झूमते हुए निकले। भाजपा नेता नारायण सोमानी ने भरत सेन, राकेश सेन डीकेन, प्रकाश सेन, सुनील सेन जावद सहित सेन समाजजनों को सेन जयंती की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकलकर पुनः धानमंडी स्थित मंदिर पहुंची जहा महाआरती के साथ समापन हुआ। शोभायात्रा में सेन समाज के जिला सचिव भरत सेन, पत्रकार राकेश सेन, पवन सेन, वरिष्ठ श्यामलाल सेन, प्रकाश सेन, प्रदीप सेन, नवीन सेन, सुनील सेन, कमल सेन, सुधीर सेन, अशोक सेन, रामबिलास सेन, महेंद्र सेन, गोविंद सेन, दशरथ सेन, बाबुलाल सेन, सुनिल सेन, नरेंद्र पप्पू सेन, शिवलाल सेन, हरीश सेन, केलाश सेन, दिनेश सेन, रवि सेन, संजय सेन सहित सेन समाजजन महिला, पुरूष, युवाजन मौजूद थे। सायंकाल को खोर दरवाजा बगीची में समाजजनों का महाप्रसादी का आयोजन रखा गया।

नीमच में कलेक्टर का एक्शन मोड- स्टॉप डैम पर लापरवाही उजागर, अधिकारियों को नोटिस—तालाब कार्य की सराहना

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परखने कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को रतनगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत डोराई के ग्राम सांडा का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टॉप डैम निर्माण में खामियां मिलने पर सख्त रुख अपनाया, जबकि बेहतर कार्य पर सराहना भी की।

करीब 12.13 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन स्टॉप डैम (एनीकट) का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने कार्य की गुणवत्ता में सुधार के निर्देश दिए। साथ ही, स्टॉप डैम के लिए उपयुक्त स्थल चयन नहीं करने पर जनपद पंचायत जावद के सीईओ, उपयंत्री प्रशांत गुप्ता और संबंधित सहायक यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अब तक हुए कार्य का पुनः मूल्यांकन कराने के भी निर्देश दिए।

इसके बाद कलेक्टर ने ग्राम सांडा में ही वन क्षेत्र से लगी पहाड़ियों के नीचे बन रहे 38 लाख रुपये लागत के तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने इस परियोजना के स्थल चयन की सराहना करते हुए कहा कि इससे बड़े पैमाने पर जल भंडारण होगा और वन्य प्राणियों को भी पानी उपलब्ध हो सकेगा। अधिकारियों के अनुसार, यह तालाब करीब डेढ़ माह में पूर्ण होगा, जिसकी पाल की ऊंचाई 8 मीटर और जल संग्रहण क्षमता लगभग 10 हजार घन मीटर होगी। कलेक्टर ने तालाब की पाल की पिचिंग कार्य को गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने 25 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित एक अन्य तालाब के निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया और इसे उपयुक्त बताया।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एसडीएम प्रीति संघवी, जनपद सीईओ शैलेंद्र आदिवासी, कार्यपालन यंत्री बी.एल. कतीजा, सहायक यंत्री महादेव प्रसाद कौशल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने सांडा में स्टॉप डैम व तालाब निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को रतनगढ़ क्षेत्र के ग्राम सांडा (ग्राम पंचायत डोराई) में निर्माणाधीन स्टॉप डैम (एनीकट) का निरीक्षण किया। करीब 12.13 लाख रुपये की लागत से बन रहे इस निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर असंतोष जताते हुए उन्होंने सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्टॉप डैम के लिए उपयुक्त स्थल चयन नहीं किए जाने पर जनपद पंचायत जावद के सीईओ, संबंधित उपयंत्री प्रशांत गुप्ता एवं सहायक यंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही अब तक हुए कार्य का पुनर्मूल्यांकन कराने के निर्देश ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन यंत्री को दिए। इसके बाद कलेक्टर ने वन क्षेत्र से लगी पहाड़ियों के नीचे 38 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल चयन की सराहना करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र में बड़े स्तर पर जल भंडारण संभव होगा तथा वन्य प्राणियों को भी पानी की सुविधा मिलेगी।

सम्पादकीय

कॉरपोरेट जगत की द केरला स्टोरी

उस अजमेर कांड का तो स्मरण होगा ही, जो 1992 में घटित हुआ था और जिसके खुलासे ने देश को हिलाकर रख दिया था। अजमेर में करीब सौ छात्राओं को ब्लैकमेल कर उनका लंबे समय तक यौन शोषण किया गया था। एक छात्रा संग दुष्कर्म के बाद उसके अंतरंग फोटो लेकर उसकी अन्य सहेलियों को चंगुल में फंसाया गया और फिर एक घिनौना सिलसिला कायम हो गया। यह मामला उजागर होने के बाद कई छात्राओं ने आत्महत्या कर ली थी। छात्राओं को ब्लैकमेल कर उनका यौन शोषण करने वाले अजमेर के ख्वाजा गरीब नवाज के खादिम एवं उसके साथी थे और उनकी हैवानियत की शिकार छात्राएं हिंदू थीं। बाद में अजमेर जैसे और भी कांड कई शहरों में सामने आए। एक तो पिछले साल अजमेर के ही विजयनगर में सामने आया, जिसमें हिंदू लड़कियों के यौन शोषण के साथ उनका जबरन मतांतरण कराने की कोशिश की गई। एक अन्य मामला भोपाल में सामने आया। यहां के एक कालेज की कई हिंदू छात्राओं को मुस्लिम लड़कों ने हिंदू नाम से प्यार के जाल में फंसाकर ब्लैकमेल किया और फिर वे उन्हें इस्लाम कुबूल करने के लिए मजबूर करने लगे।

देश में अजमेर जैसे कितने कांड हो चुके हैं, उनकी गिनती करना कठिन है, लेकिन यह समझ लीजिए कि लंदन के ग्रूमिंग गैंग की तरह भारत में जगह-जगह जिहादी सोच वाले युवकों के ऐसे ग्रूमिंग गिरोह सक्रिय हैं, जो दूसरे मजहब की लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और उनका यौन शोषण करने के बाद उन्हें इस्लाम स्वीकार करने को विवश करते हैं। कई इस्लामिक दावा सेंटर वस्तुतः ग्रूमिंग गैंग ही हैं। ये सबको इस्लामी परचम तले लाने के लिए इतने अधिक जुनून से भरे हैं कि कुछ वर्ष पहले एक दावा सेंटर नोएडा के मूक-बधिर छात्रों का ब्रेनवाश कर मतांतरण करने में लगा हुआ था।

इसी प्रकार बलरामपुर, यूपी में छांगुर बाबा नामक एक फकीर छल-बल से हिंदुओं का मतांतरण करने में जुटा था। दीन की दावत देने की सनक पाले इस्लामिक दावा सेंटर किस तरह ग्रूमिंग गैंग सरीखा काम करते हैं, इसकी एक झलक फिल्म 'द केरला स्टोरी' में दिखाई गई थी। इस फिल्म में बताया गया था कि हिंदू लड़कियों का कैसे ब्रेनवाश किया जाता है और किस तरह वेद, पुराण की बातों को मनगढ़ंत बताते हुए देवी-देवताओं को लांछित कर उन्हें यह समझाया जाता है कि एकमात्र सच्चा मजहब इस्लाम ही है, बाकी सब झूठे हैं।

फर्जी किस्म के लिबरल-सेक्युलर लोगों को यह फिल्म केरल में ऐसे कई मामले सामने आने के बाद भी रास नहीं आई थी, जो यह बताते थे कि मुस्लिम युवकों ने किस तरह हिंदू एवं ईसाई लड़कियों का ब्रेनवाश कर उन्हें मुसलमान बनाया और फिर उन्हें जिहाद के लिए अफगानिस्तान, सीरिया ले जाने की कोशिश की। द केरला स्टोरी को प्रोपेगंडा फिल्म बताना आसान था, लेकिन टीसीएस नासिक दफ्तर में जो कुछ हुआ, उसे किसी के लिए भी नकारना मुश्किल है, क्योंकि यह एक जीती-जागती द केरला स्टोरी ही है।

टीसीएस के नासिक कार्यालय में काम करने वाले कुछ मुस्लिम कर्मी एक गिरोह बनाकर कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाली अथवा किसी तरह की पारिवारिक समस्या से ग्रस्त हिंदू महिला कर्मचारियों को प्रमोशन, आकर्षक वेतनवृद्धि का लालच देकर या फिर प्यार का नाटक करके उनका यौन शोषण करने के साथ उनका मतांतरण कराने की कोशिश में लगे थे। इस गिरोह का भांडा तब फूटा, जब एक हिंदू लड़की रोजा रखने लगी। अब सामने आ रहा है कि कई हिंदू लड़कियों को इस्लामी तौर-तरीके अपनाने, मांस खाने और इस्लाम कुबूल करने के लिए मजबूर किया गया। इनका यौन शोषण भी किया गया-किसी का जबरन और किसी के साथ लव जिहाद के जरिये। चूंकि इस गिरोह में एचआर विभाग की एक मुस्लिम महिला भी शामिल थी, इसलिए पीड़ित लड़कियों की शिकायत नहीं सुनी गई और उलटे उन्हें नौकरी से हाथ धोने की धमकी दी गई।

आखिर टीसीएस जैसी कंपनी में एचआर विभाग के आगे शिकायत-सुनवाई की कोई व्यवस्था क्यों नहीं थी? क्या यौन उत्पीड़न रोकने वाली समिति यानी प्रिवेंशन आफ सेक्सुअल हैरेसमेंट कमिटी केवल कागजों में थी? टीसीएस टाटा समूह की कंपनी होने के साथ ही देश की सबसे बड़ी आइटी भी कंपनी है। जब ऐसी नामी कंपनी में सुनियोजित तरीके से यौन उत्पीड़न हो रहा था और उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई तो उन अन्य छोटी-मोटी कंपनियों का क्या हाल होगा, जहां इस सनक से ग्रस्त कर्मचारी-अधिकारी प्रभावशाली पदों पर बैठे हों कि दूसरे मजहब वालों को येन-केन-प्रकारेण मुसलमान बनाना है या फिर गजवा-ए-हिंद करना है?

पहले माना जाता था कि छल-बल, लोभ-लालच से दूसरे मजहब वालों और खासकर हिंदुओं को मुसलमान बनाने की सनक से कुछ मुल्ला-मौलवी किस्म के लोग ही ग्रस्त हैं, पर अब तो पढ़े-लिखे मुस्लिम युवा भी इसी सोच से ग्रस्त दिख रहे हैं। इसी सोच का नतीजा है लव जिहाद। यह शब्द केरल हाई कोर्ट की देन है, क्योंकि वहां ऐसे कई मामले आए थे, जिनमें मुस्लिम लड़कों ने हिंदू-ईसाई लड़कियों को झूठे प्रेमजाल में फंसाकर मुसलमान बनाया। उन्होंने इन लड़कियों के मन में अपने स्वजनों के प्रति भी घृणा पैदा कर दी, लेकिन देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं, जो लव जिहाद को कुछ लोगों की कपोल कल्पना समझते हैं। यह और कुछ नहीं जीती मक्खी निगलने वाली समझ या फिर कहें कि सनक है।

कुंडलिनी शक्ति कोई रहस्य नहीं वरन् ईश्वर प्रदत्त कुंडलित ऊर्जा शक्ति है

हम सभी जानते हैं कि बिना ऊर्जा के जीवन संभव नहीं। यह सारा ब्रम्हांड ऊर्जा से ही संचालित है। पर वो ईश्वरीय ऊर्जा हमें दिखाई नहीं देती। हम मात्र मानव द्वारा परिचालित ऊर्जाओं जैसे विद्युत, बल्ब की रौशनी, कारखानों में उपयोग आने वाली मशीन इत्यादि को ही जान पाते हैं। कुंडलिनी भी एक ऊर्जा है क्योंकि कुंडलिनी का अर्थ ही है कुंडलित ऊर्जा और यह एक शक्ति है जो साढ़े तीन कुंडल में हमारे रीढ़ की हड्डी के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में विराजमान होती है। यह जीवंत ऊर्जा है और स्वयं को कैसे संभालना है, यह जानती है। यह ऊर्जा सोच सकती है। ?इसका उदाहरण है कि यह हमारे उत्थान के लिए यह गुरुत्वाकर्षण के विरोध में कार्य करती है क्योंकि उसे मध्य सुषुम्ना नाड़ी से ऊपर उठना होता है और सिर के उपरी हिस्से तक तालु भाग तक जाकर वहाँ भेदन करना होता है। जब कुंडलिनी जागृत होती है तब सहस्त्रार चक्र तक जाने के मार्ग में जो भी चक्र आते हैं, उन्हें स्पर्श करती जाती है उसे पता है कि उस चक्र में? क्या खराबी है अत~ उसे वह ठीक करती जाती है। कुंडलिनी शक्ति जो? मां स्वरूप है, हमारे साथ है हमें पोषित करने व हम सबकी? देखभाल करने के लिये।

??जब हमारे अंदर आत्म उत्थान की शुद्ध इच्छा जागृत होती है तब सुषुप्त कुंडलिनी एक जीवित प्रक्रिया की तरह जागृत होती है। वैसे ही जैसे हम धरती पर बीज बोते मात्र हैं पर उसका अंकुरित होना एक जीवंत क्रिया है। जब कुंडलिनी जागृत होती है, छ~ चक्रों से गुजरती हुई जब अंतिम चक्र का स्पर्श करती है तब हम स्वयं अपने सिर के ऊपर से ठंडी हवा के निकलने का अनुभव पाते हैं। आत्म साक्षात्कार के बाद ही पहली बार हम इस ठंडी हवा को अनुभव करते हैं। यह एक सुखद शांत ठंडक है। यह ईश्वर के प्रेम की सर्वव्यापी शक्ति है। इसके साथ ही हम एक ईश्वरीय कंप्यूटर सम बन जाते हैं। हम अपने अंदर किस चक्र में तकलीफ है, उसे स्वयं जान? सकते हैं। हम अपने आस पास के व्यक्तियों के चक्रों की स्थिति भी जान सकते हैं, जो हमसे बहुत दूर हैं उनकी? भी स्थिति भी हम जान लेते हैं।

हम सभी ईश्वरीय शक्ति से घिरे हुये? हैं? और? कुंडलिनी के जागृत होने पर इस ईश्वरीय शक्ति से जुड़ जाते हैं। हमारे अंदर स्थित कुंडलिनी हमारी मां है, जो हमें परमात्मा के स्वर्ग साम्राज्य में ले जाती है। कुंडलिनी आत्मा से एकाकार होने की परम इच्छा है। कुंडलिनी हमारी मां है और इस मां को जानने का अधिकार हर मानव मात्र को है। तो चलिए सहज योग ध्यान से जुड़ते हैं।

जबरन धर्मांतरण और उत्पीड़न के आरोपों से हिला कॉर्पोरेट तंत्र

कॉर्पोरेट दफ्तरों की जगमगाहट, कांच की ऊँची इमारतों का मोहक आभास और ÷प्रोफेशनलिज़्म÷ के बड़े-बड़े दावे—यदि इनके भीतर भय, शोषण और दबाव का अंधकार पलता हो, तो यह किसी एक कंपनी की चूक नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी असफलता का संकेत है। अप्रैल 2026 में नासिक स्थित एक आईटी इकाई (टीसीएस) से सामने आया प्रकरण इसी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जहाँ महिला कर्मियों के सपनों को सुनियोजित ढंग से रौंद दिया गया। रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता की आकांक्षा लेकर आई इन महिलाओं को अपने ही कार्यस्थल पर ऐसे असहनीय दबावों का सामना करना पड़ा, जो किसी भी सभ्य समाज के मूल्यों के सर्वथा विपरीत हैं।

यह मामला केवल यौन शोषण के आरोपों तक सीमित नहीं है; इसके भीतर भय, मानसिक उत्पीड़न, धार्मिक आस्था पर दबाव और अधिकारों के खुले दुरुपयोग की कहीं अधिक गंभीर परतें छिपी हुई हैं। सामने आई शिकायतों के अनुसार, कुछ वरिष्ठ कर्मचारियों ने महिला कर्मियों पर अनुचित प्रस्तावों, अश्लील टिप्पणियों और निजी संबंध बनाने के लिए निरंतर दबाव डाला। जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उन्हें पदोन्नति रोकने, नौकरी समाप्त करने और उनके निजी जीवन को बदनाम करने की धमकियाँ दी गईं। सत्ता और पद के बल पर किया गया यह आचरण केवल अनैतिकता की पराकाष्ठा नहीं, बल्कि स्पष्ट रूप से कानूनन दंडनीय अपराध है, जो किसी भी कार्यस्थल की गरिमा, सुरक्षा और विश्वास को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है।

यह प्रकरण और भयावह तब बनता है, जब स्पष्ट होता है कि यह छिटपुट घटनाएँ नहीं, बल्कि लंबे समय से सक्रिय संगठित तंत्र का परिणाम था। पुलिस जांच और शिकायतों के अनुसार, आठ महिला कर्मचारियों की नौ एफ़आईआर्स में सामने आया कि टीम लीडर्स सहित वरिष्ठों ने 2022 से 2026 तक करीब चार वर्षों तक सुनियोजित ढंग से उन्हें निशाना बनाकर दबाव में रखा। पुलिस ने फरवरी से 40 दिन तक महिला पुलिसकर्मियों के जरिए अंडरकवर ऑपरेशन चलाकर साक्ष्य जुटाए। आरोप हैं कि निजी तस्वीरें-वीडियो से ब्लैकमेल करना, नमाज पढ़ने और गोमांस खाने को मजबूर करना, जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव और मानसिक रूप से तोड़ना—ये सब उसी तंत्र के औजार थे। यह स्थिति दिखाती है कि जब शक्ति का दुरुपयोग संस्थागत रूप ले लेता है, तो पीड़ितों के लिए आवाज उठाना कठिन और जोखिम भरा हो जाता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक पक्ष मानव संसाधन विभाग की भूमिका पर उठते सवाल हैं। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के तहत हर संगठन में आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और समयबद्ध, निष्पक्ष जांच अनिवार्य है। इसके बावजूद आरोप हैं कि शिकायतों को नजरअंदाज किया गया, ईमेल और लिखित आवेदन दबाए गए, और पीड़ितों को चुप रहने के लिए मजबूर किया गया—यहाँ तक कि एक एचआर असिस्टेंट जनरल मैनेजर को भी अनदेखी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जिस विभाग पर कर्मचारियों की सुरक्षा और न्याय की जिम्मेदारी होती है, यदि वही निष्क्रिय या सहभागी दिखे, तो यह कानून की अवहेलना के साथ विश्वास का गंभीर हनन भी है।

चार वर्षों तक लगातार उठती शिकायतों के बावजूद कार्रवाई का अभाव यह स्पष्ट करता है कि समस्या कुछ व्यक्तियों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की गहरी खामियों में जड़ें जमाए हुए थी। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के दिशानिर्देश स्पष्ट करते हैं कि 24 घंटे के भीतर संज्ञान लिया जाए और 90 दिनों में जांच पूरी हो, परंतु यहाँ इन प्रावधानों की खुलेआम अनदेखी की गई। यह मात्र लापरवाही नहीं, बल्कि कानूनी दायित्वों से बचने की प्रवृत्ति का संकेत देता है। ऐसे मामलों में देरी न केवल पीड़ित के मानसिक आघात को गहरा करती है, बल्कि आरोपियों के हौसले भी बढ़ाती है। जीरो टॉलरेंस की नीति का हवाला तब खोखला लगता है, जब सवाल उठता है कि वर्षों तक शिकायतें दबने और पीड़ितों की आवाज अनसुनी रहने के दौरान यह लागू क्यों नहीं हुई। टीसीएस द्वारा उच्च प्रबंधन स्तर पर जांच (सीओओ के निर्देशन में) के आदेश और आरोपियों का निलंबन आवश्यक कदम हैं, पर पर्याप्त नहीं—क्योंकि नेसेंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एम्प्लॉइज़ सीनेट ने श्रम मंत्रालय से पोश कंप्लायंस ऑडिट की मांग की है। जवाबदेही केवल निचले स्तर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; उसे उन सभी स्तरों तक तय होना चाहिए जहाँ लापरवाही या मिलीभगत रही हो। कॉर्पोरेट संस्थानों की साख मुनाफे या छवि से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सुरक्षा, सम्मान, पारदर्शिता और विश्वास से बनती है।

यह घटना किसी एक कंपनी तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र में कार्यस्थल की सुरक्षा पर गहरे और असहज प्रश्न खड़े करती है। क्या आधुनिक दफ्तर वास्तव में सुरक्षित हैं, या केवल बाहर से सजे-धजे और आकर्षक दिखते हैं? क्या महिलाओं और अन्य कर्मचारियों को अपने अधिकारों के लिए आज भी संघर्ष करना पड़ेगा? यह प्रकरण स्पष्ट करता है कि जब तक शिकायत तंत्र मजबूत, पारदर्शी और निष्पक्ष नहीं होगा, तब तक किसी भी कानून का प्रभाव सीमित और अधूरा ही रहेगा। कर्मचारियों के भीतर यह विश्वास होना चाहिए कि उनकी आवाज न दबेगी, न अनसुनी होगी—बल्कि उसे गंभीरता से सुना जाएगा और उन्हें समयबद्ध न्याय अवश्य मिलेगा। अब समय केवल औपचारिक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि ठोस और निर्णायक सुधार का है। इस प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यापक जांच होनी चाहिए, दोषियों को कठोर दंड मिले और कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (पोश) के अनुपालन की स्वतंत्र ऑडिट पूरे आईटी क्षेत्र में कराई जाए। साथ ही मानव संसाधन तंत्र को स्पष्ट रूप से जवाबदेह बनाना और कर्मचारियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना आवश्यक है। कार्यस्थल केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और विश्वास का वातावरण होना चाहिए। यदि इस घटना से भी ठोस सबक नहीं लिया गया, तो यह महज़ एक और मामला बनकर रह जाएगा—और यह किसी भी समाज की सबसे बड़ी विफलता होगी।

-प्रो. आरके जैन

आत्मनिर्भरता स्वाभिमानी राष्ट्र का प्रतीक

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि ÷एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं÷,पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के 77 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी।

हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है।महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी ÷दैव दैव आलसी÷ पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है।

-संजीव ठाकुर

बिहार में संभावनाएं विकास कीः अब सत्ता सम्राट की

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरु हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।

बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा। यदि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को आधार बनाते हुए नवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बिहार न केवल अपने पुराने कलंक से पूरी तरह मुक्त हो सकता है, बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में भी उभर सकता है। यह समय केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टिकोण के परिवर्तन का है। बिहार की जनता अब जागरूक है, अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्ति-आधारित राजनीति से ऊपर उठकर नीतियों और परिणामों पर केंद्रित शासन प्रस्तुत करें। यदि वे ऐसा कर पाते हैं, तो न केवल वे अपने नेतृत्व को सिद्ध करेंगे, बल्कि बिहार को एक नई पहचान भी देंगे-एक ऐसे राज्य के रूप में जो संघर्ष से उबरकर सफलता की नई गाथा लिखने में सक्षम है।

-ललित गर्ग

डिजिटल आंकड़ों के दौर में वास्तविक संवाद न हो दरकिनार

जब मैंने मुख्यधारा के एक समाचार पत्र में एक खास किस्म का लेख पढ़ा तो ग्राहकों के हितों को उठाने वाले और उसी अनुरूप व्यवहार करने वाले एक व्यक्ति के रूप में मुझे काफी खुशी हुई। इस लेख में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों से आग्रह किया गया था कि वे अपने कार्यालयों से बाहर निकल कर 'ग्रामीणों के जीवन का प्रत्यक्ष अनुभव करें और उनकी समस्याओं को आमने-सामने समझें' भले ही उनके पास डिजिटल डेटा और दूरस्थ निगरानी की निरंतर व्यवस्था उपलब्ध हैं। ('वॉक विद द पीपल, वुड यू, कलेक्टर साहब ?' टाइम्स ऑफ इंडिया, 27 मार्च, 2026)।

यह सलाह कारोबार जगत के लिए भी उपयोगी है जहां सरकारी व्यवस्था की तरह ही जीवंत और गतिशील डेटा, डैशबोर्ड और आकर्षक विश्लेषणात्मक उपकरण ग्राहकों को जानने का भ्रम पैदा करते हैं और उनसे व्यक्तिगत रूप से जुड़ने की जरूरत खत्म कर देते हैं। अक्सर यह बात नजरअंदाज कर दी जाती है कि डेटा और डैशबोर्ड ग्राहकों के परिणामों के बजाय कंपनी के प्रयासों का आपूर्ति पक्ष से जुड़े विवरण होते हैं।

सहस्त्राब्दी के आरंभ में सत्ता में आए तकनीकी रूप से एक अत्यं?त कुशल मुख्यमंत्री की उनकी आधुनिकता और डेटा-आधारित कार्य शैली के लिए प्रशंसा की जाती थी। अक्सर मजाक में कहा जाता था कि वह नरीमन पॉइंट के वोट न डालने वाले अभिजात वर्ग के चहेते हैं। उन्होंने जिन कंपनियों की सेवाएं ली थी उनमें एक के सलाहकार ने गर्व से कहा कि उनकी मदद से मुख्यमंत्री राज्य में स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित मामलों के डेटा की समीक्षा प्रत्येक गुरुवार सुबह करते थे और एक बार में केवल एक जिले से जुड़े मुद्दों पर ध्यान दिया जाता था। जब वह दोबारा निर्वाचित नहीं हुए तो कंपनी जगत के उनके प्रशंसकों ने इस बात पर बहस छेड़ दी कि क्या भारतीय इतने विकसित और कुशल शासन के लिए तैयार हैं।

टीवी चैनलों पर चुनाव के बाद हुए जनमत सर्वेक्षणों और जमीनी स्तर से रिपोर्टिंग करने वाले राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अगर उन्होंने जनता के बीच अधिक समय बिताया होता तो उनका प्रदर्शन कहीं बेहतर होता। इससे उन्हें जनता की चिंताओं को समझने में मौजूद कमियों को दूर करने में मदद मिलती साथ ही जनता की नजरों में एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जाता जो उनकी बात सुनता है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की अपार क्षमताओं और एआई-केंद्रित व्यवसायों के संभावित मूल्य को लेकर उत्साह के बीच स्टार्टअप से जुड़ी योजनाएं मेरे पास मूल्यांकन के लिए भेजी जाती हैं। ये योजनाएं बाजार अनुसंधान अध्ययनों में मानव उत्तरदाताओं की जगह कृत्रिम उत्तरदाताओं के इस्तेमाल से अनुसंधान पर होने वाले खर्च बचाने और बाजार में उत्पाद लाने में लगने वाले समय को कम करने से संबंधित हैं।

कंपनी के स्वामित्व वाले और सार्वजनिक डेटा से प्रशिक्षित ये स्टार्टअप नए प्रस्तावों की स्वीकृति का पूर्वानुमान लगाने, विज्ञापन परीक्षण करने, मूल्य-व्यवहार मॉडलिंग करने या व्यापक उपयोग के लिए इनका उपयोग प्रस्तावित करते हैं ताकि मानव उत्तरदाताओं पर आधारित बाजार अनुसंधान की आवश्यकता ही न पड़े। उन्हें और अधिक पढ़ने और उपभोक्ता-आंतरिक कारणों और उपभोक्ता व्यवहार के बाहरी कारकों पर विचार करने के लिए राजी करने में बहुत प्रयास और धैर्य की जरूरत होती है।

इनके बाद यह आकलन करना होता है कि किस सीमा तक और किन परिस्थितियों में पिछले डेटा या प्रतिस्पर्द्धी आपूर्ति के किसी निश्चित मॉडल पर प्रशिक्षित मॉडल का उपयोग करना सुरक्षित है और उसके आधार पर यह तय करना होता है कि निर्णय लेने से जुड़ी किन समस्याओं के लिए वास्तविक लोगों से नई अंतर्दृष्टि की आवश्यकता हो सकती है या कृत्रिम उत्तरदाताओं को अधिक बहुमुखी बनाने के लिए वास्तविक लोगों के विचारों पर निरंतर नजर रखने की आवश्यकता है। (चैटजीपीटी इससे सहमत है!)

एल्गोरिद्म आधारित परफॉर्मेंस मार्केटिंग की यह कहते हुए आलोचना होती है कि इसमें ग्राहक अंतर्दृष्टि को कम महत्त्व दिया जाता है और उपभोक्ताओं के विचारों, उनकी भावनाओं और निर्णय लेने के तरीकों के बारे में प्रबंधकीय समझ कमजोर और कुंद हो जाती है जिससे नवाचार करने, बाजार को बाधित करने या बिल्कुल नए रुझानों पर दांव लगाने की क्षमता कम हो जाती है।

कंपनियों को अपने आधिकारिक लक्ष्यों पर अमल करने की जरूरत है। उनके लिए ग्राहकों को प्रसन्न करने के अपने संकल्प को बताना या ग्राहक-केंद्रित होने की घोषणा करना अनिवार्य है। पहला कदम यह समझना है कि ये सभी कथन 'हम' (कंपनी) के बारे में हैं न कि 'उन' (ग्राहकों) के बारे में और जो कमी है वह यह है कि कंपनी अपने ग्राहकों को प्रसन्न करने के लिए क्या करने का प्रयास करती है और वह इसे कैसे प्राप्त करती है। अक्सर कंपनियां ग्राहकों से जुड़ी अपनी प्राथिमकताओं को ग्राहक खर्च का 360 डिग्री आकलन, अधिक क्रॉस-सेलिंग, टिकट साइज या उपभोग की आवृत्ति में वृद्धि और 'जुड़ाव' में सुधार के रूप में परिभाषित करती हैं न कि ग्राहक समस्याओं को हल करने या उनके जीवन में ग्राहक-अनुभूत मूल्य बढ़ाने के संदर्भ में। कानून के अनुसार यह सालाना परिचालन योजनाओं को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किए जाने का समय है। हम सभी जानते हैं कि अधिकांश योजनाएं इस तर्क पर आधारित होती हैं कि 'उद्योग में एक निश्चित प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है और इसी आधार पर हमारी वृद्धि दर किसी खास स्तर पर होगी'। शायद बोर्ड को भी ग्राहक-केंद्रितता को बढ़ावा देने में अपना योगदान देना चाहिए, खासकर अगर कंपनी बाजार में अग्रणी है तो समझने की कोशिश की जानी चाहिए कि उद्योग की वृद्धि वास्तव में कैसे होती है और इस पूर्वानुमान के पीछे ग्राहक-संबंधी कौन सी मान्यताएं हैं।

उन्हें विकास योजनाओं को मूल्य-आधारित वृद्धि, मिश्रण (या पोर्टफोलियो)-आधारित वृद्धि और मात्रा-आधारित वृद्धि के घटकों में विभाजित करने के लिए भी कहना चाहिए और फिर यह पूछना चाहिए कि यह वृद्धि 'किससे' (भौगोलिक क्षेत्र) और 'उत्पाद' से नहीं बल्कि 'किससे' और क्यों आएगी और इस प्रक्रिया को ग्राहक व्यवहार के बारे में प्रबंधन की दूरदर्शिता तक ले जाना चाहिए। जी हां, यह सभी प्रकार के व्यवसायों पर लागू होता है चाहे वे व्यवसाय-से-ग्राहक हों व्यवसाय-से-व्यवसाय हों या प्रत्यक्ष-उपभोक्ता तक हों!

-धनंजय राजौरा

देवास में नारी शक्ति का शंखनाद, विधायक पवार के नेतृत्व में भव्य स्कूटी रैली निकाली

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में देवास में भव्य स्कूटी रैली का आयोजन किया गया। विधायक गायत्री राजे पवार के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया।

विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में सशक्त भागीदारी का अवसर देगा, जिससे समाज और देश की प्रगति को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी महिलाओं से इस अभियान से जुड़कर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाया गया यह ऐतिहासिक अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित कर उन्हें नई पहचान और अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इसे केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति के सशक्तिकरण का महापर्व बताया।

इस अवसर पर देवास विधायक श्रीमंत गायत्री राजे पवार, भाजपा जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बहादुर मुकाती, जिला महामंत्री राजेश यादव, सभापति रवि जैन, विधानसभा प्रभारी ओम जोशी, मण्डल नगर अध्यक्ष शुभम चौहान, देवेन्द्र नवगौत्री, सुरेश सिलोदिया, भाजपा अजा मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रवीण डोंगलिया, सचिन जोशी, भरत चौधरी, जुगनू गोस्वामी, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष राखी झालानी, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मोनिका शर्मा, पुष्पलता सोनगरा, नवीन सिंह सोलंकी सहित बड़ी संख्या में मातृशक्तियों की उपस्थिति रही।

जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 16 अप्रैल को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिले के युवाओं को निजी संस्थाओं में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 16 अप्रैल 2026 को जिला रोजगार कार्यालय देवास में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन जाएगा। प्लेसमेंट ड्राइव में 5वीं पास आईटीआई, डिप्लोमा तथा स्नातक तक की योग्यता वाले आवेदकों को निजी संस्थाओं में रोजगार उपलब्ध कराया जावेगा। उन्होंने बताया कि इसमें देवास से किर्लोस्कर देवास, वी.ई कमर्शियल, भारतीय जीवन बीमा निगम, आईपीएस कॉन्ट्रेक्टर, एम काशिफ कॉन्ट्रेक्टर देवास एवं मां चामुण्डा देवास एवं वीर विजय हनुमान मैनेजमेंट द्वारा सिक्योरिटी गार्ड, फ्रीडम इम्पलायबीलीटी एकेडमी एनजीओ के लिए भर्ती की जावेगी। नौकरी के लिए इच्छुक आवेदक कार्यालय में उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नंबर 07272 -252296 पर कॉल करके भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए किसी प्रकार का मार्ग व्यय देय नहीं है।

बाल विवाह की सूचना पर देवास में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा की गई कार्यवाही

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला बाल विकास अधिकारी देवास ने बताया कि विवाह किये जाने संबंधी सूचना प्राप्त होने पर राधागंज देवास में बाल महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा कार्यवाही की गयी। दल में महिला एवं बाल विकास विभाग से परियोजना अधिकारी देवास शहरी एमएल अहिरवार, सेक्टर पर्यवेक्षक समरोज शेख, संरक्षण अधिकारी संदीप किरार, परामर्शदाता एकता जायसवाल, विशेष किशोर पुलिस इकाई से संध्या दुबे शामिल थे। दल द्वारा बाल विवाह रोके जाने सम्बन्धी कार्यवाही की गयी, जिसमे बालिका की आयु 18 वर्ष से कम पाए जाने के कारण एवं बालिका को रेस्क्यू कर आगामी कार्यवाही के लिए न्यायपीठ बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

30- 32 वर्षों बाद कुम्हारिया बनवीर में 29 अप्रैल को शीतला माता पूजन, गांव में उत्सव जैसा माहौल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास जिले की सोनकच्छ तहसील अंतर्गत ग्राम कुम्हारिया बनवीर में लगभग 30- 32 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद शीतला माता एवं ग्राम गैर माता पूजन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्साह, श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिल रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, इतने वर्षों बाद हो रहे इस आयोजन ने गांव की पुरानी परंपराओं को फिर से जीवंत कर दिया है। बुजुर्गों के साथ-साथ युवा पीढ़ी भी इस आयोजन को लेकर खासी उत्साहित नजर आ रही है और बढ़-चढ़कर अपनी भागीदारी निभा रही है। गांव में तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं, जहां हर वर्ग के लोग आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

पूजन के दौरान विशेष धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन एवं प्रसादी वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीणों का विश्वास है कि शीतला माता की पूजा से गांव में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली का वास होता है।

यह आयोजन न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि गांव में एकता, भाईचारे और सामूहिक सहभागिता की भावना को भी मजबूत कर रहा है। कुम्हारिया बनवीर इन दिनों पूरी तरह से धार्मिक रंग में रंगा नजर आ रहा है और हर ओर उत्सव जैसा वातावरण बना हुआ है।

जनगणना 2027 हेतु प्रशिक्षण प्रारंभ, पहले बैच में 250 पर्यवेक्षक एवं प्रगणकों को दिया गया प्रशिक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी जनगणना 2027 के सफल क्रियान्वयन हेतु नगर निगम देवास द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। नगरीय सीमा क्षेत्र में जनगणना कार्य अन्तर्गत कुल 440 गणना ब्लाक बनाए गए हैं। रिजर्व सहित कुल 484 शासकीय कर्मचारियों को प्रगणक के रूप में पदस्थ किया गया है। साथ ही 73 सुपरवाईजर सर्किल जाकर रिजर्व सहित कुल 80 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।

1 मई से शुरू होगा मकान सूची का कार्य- उक्त समस्त प्रगणक अपने अन्तर्गत ब्लाकों में घर घर जाकर जानकारी एकत्रित कर मकान सूची का कार्य दिनांक 1 मई से 31 मई तक करेंगे।

15 अप्रैल से 25 अप्रैल तक चलेगा प्रशिक्षण- उक्त कार्य हेतु समस्त प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 15 अप्रैल 2026 से 25 अप्रैल 2026 तक सम्पन्न होगा। जिसमें जिला द्वारा नियुक्त फील्ड ट्रेनर प्रत्येक प्रगणक एवं पर्यवेक्षक को 3-3 दिन का प्रशिक्षण देंगे।

पहले बैच का प्रशिक्षण शुरू- उसी कड़ी में पहली बैच के लगभग 250 पर्यवेक्षक एवं प्रगणकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम महारानी चिमनाबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रारंभ हुआ।

आयुक्त ने दिया मार्गदर्शन- इस अवसर पर प्रमुख नगर जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त दलीप कुमार द्वारा सभी प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों को जनगणना प्रशिक्षण कार्य के विस्तृत जानकारी देने के साथ ही शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

इस अवसर पर नगर जनगणना अधिकारी देवबाला पिपलोनिया, जनगणना निदेशालय से सुश्री सोनिका गर्ग, उपायुक्त जाकिर जाफरी, झोनल वार्ड अधिकारी विजय जाधव, श्यामसुंदर रघुवंशी, चंदन सोनी आदि उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों को महापौर ने निराकरण के लिए भेजा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल ने महापौर जनसुनवाई के अन्तर्गत बुधवार 15 अप्रेल को निगम बैठक हाल में नागरिकों से उनकी निगम संबंधी समस्याओं के आवेदन प्राप्त किये। जिसमें राम रहीम नगर में आश्रम के समीप प्रतिदिन सफाई को लेकर एवं वार्ड क्र. 02 में सीवरेज लाईन चौक होने से हो रही समस्याओं के निराकरण हेतु आवेदन महापौर को नागरिकों के द्वारा दिये गये। महापौर ने प्राप्त आवेदनों का निराकरण किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जनसुनवाई के दौरान महापौर गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा विधायक एवं महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल के साथ खाद्य एवं अखाद्य लायसेंसो का वितरण व्यवसाईयों को किया गया। इस अवसर पर निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी, आरती खेडेकर, सहायक यंत्री जगदीश वर्मा, दिनेश चौहान, मुशाहीद हन्फी, कार्यालय अधिक्षक रणजीतसिंह पंजाबी, उपयंत्री राजेश कौशल, जीवन रावत, स्वच्छता निरीक्षक रवि गोयनार, हरेन्द्रसिंह ठाकुर, हेमंत उबनारे, विकास शर्मा, भाजपा नेता विपुल अग्रवाल, एवं नागरिकगण व व्यवसाई उपस्थित रहे।

अब घर बैठे भरें जनगणना 2027 का मकान सूचीकरण फॉर्म, स्व-गणना से आसान हुई प्रक्रिया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) की प्रक्रिया इस बार पूरी तरह डिजिटल कर दी गई है। अब आम नागरिक अपने मोबाइल फोन के माध्यम से घर बैठे ही ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। इससे लोगों को जनगणना कर्मचारियों का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होगी और प्रक्रिया अधिक सरल एवं पारदर्शी बन गई है। इस जनगणना में यह एक विशेष सुविधा है।ऑनलाइन फॉर्म भरने के लिए न्त्स् कोड ेजजचेरू//म.बमदेने.हवअ.पद है। निगमायुक्त श्री दलीप कुमार ने बताया कि नागरिकों को सबसे पहले आधिकारिक सेल्फ-एन्यूमरेशन पोर्टल पर जाकर अपने मोबाइल नंबर से लॉगिन करना होगा। ओटीपी के माध्यम से सत्यापन के बाद अपने मकान की सही लोकेशन मैप पर चिन्हित करनी होगी। इसके पश्चात परिवार के मुखिया की जानकारी भरकर मकान से संबंधित आवश्यक विवरण दर्ज करना होगा। फॉर्म में मकान की स्थिति (पक्का/कच्चा), पानी और बिजली की उपलब्धता, शौचालय की व्यवस्था, परिवार के सदस्यों की संख्या, मोबाइल, इंटरनेट एवं अन्य सुविधाओं से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। सभी जानकारी भरने के बाद फॉर्म सबमिट करने पर एक 16 अंकों की विशेष आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है। जनगणना कर्मचारी जब घर पर आएंगे, तब नागरिकों को केवल यह आईडी दिखानी होगी, जिससे उनकी जानकारी का सत्यापन किया जाएगा। निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सही और सटीक जानकारी भरें, क्योंकि फॉर्म सबमिट होने के बाद उसमें संशोधन संभव नहीं होगा। यह पूरी प्रक्रिया लगभग 15 से 20 मिनट में पूरी की जा सकती है। मध्यप्रदेश में यह ऑनलाइन प्रक्रिया 16 से 30 अप्रैल 2026 तक चलेगी

सांदीपनि विद्यालय देवास की छात्रा ने जिले की प्रावीण्य सूची में प्राप्त किया दूसरा स्थान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालय देवास की छात्रा गरिमा राजपूत ने जिले की प्रवीण सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त कर सफलता का परचम फहराया। बुधवार को घोषित माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में सांदीपनि विद्यालय के छात्रों ने पुनः उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा दसवीं में कुल 126 छात्रों में से 116 छात्रों ने सफलता हासिल की। जिसमें 102 छात्र प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। छात्रा गरिमा राजपूत ने 97.4 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जिले की मेरिट लिस्ट में भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया ।

इसी प्रकार कक्षा 12वीं के कुल दर्ज 168 छात्रों में से 160 छात्रों ने सफलता हासिल की । 156 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में स्थान प्राप्त किया। छात्र जतिन परमार ने 93.6 प्रतिशत के साथ कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया । प्राचार्य श्री देवेन्द्र बंसल एवं सभी मार्ग दर्शक शिक्षकों ने विद्यार्थियों को शुभकामना दी और छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

द लाइकेन्स इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों 10 वीं, 12 वीं एमपी बोर्ड एवं 10 वी सीबीएससी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। द लाइकेन्स इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने जे.ई.ई के बाद 12 वीं एमपी बोर्ड और 10 वीं सीबीएससी एवं 10 वीं एम.पी.बोर्ड परीक्षा में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संस्था और विद्यालय का नाम रोशन किया। 12 वीं एम पी बोर्ड में हंशिका जादोन 92.4 प्रतिशत, दिव्यांशी शर्मा 90.4 प्रतिशत, नवीन ठाकुर ने 90.4 प्रतिशत, सौभाग्य ने 89 प्रतिशत, कार्तिक 86.6 प्रतिशत, तनप्रित 85 प्रतिशत, उमेर ने 83.6 प्रतिशत निशि शर्मा 89 प्रतिशत वैष्णवी ने 83 प्रतिशत, नंदिनी 82 प्रतिशत, शगुन 81 प्रतिशत अंक प्राप्त किये तथा 25 बच्चों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किये।

चिमनाबाई की छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मण्डल की 10वी एवं 12वी की सत्र 2025-26 की बोर्ड परीक्षाओं का परीक्षा परिणाम आज घोषित हुआ । सुबह से छात्राओं व शिक्षकों में रिजल्ट के प्रति उत्साह व उत्सुकता बनी हुई थी । एक एक कर सभी छात्राओं के रिजल्ट देखे गये। कक्षा 12वी में शिवानी विनोद चौधरी ने सर्वोच्च 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया वही कक्षा 10वी की नाजिया पटेल ने सर्वोच्च 92.2 प्रतिशत लाकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया । इसी प्रकार विनीता मालवीय 92:, साधना प्रजापत 91.6 , माया चौहान 90.8, कृष्णा प्रजापति 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किये । इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य राजू सातपूते एवं कक्षा अध्यापक राखी शर्मा तथा कौटिल्य नायक ने छात्राओं को मिठाई खिलाकर व पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया । इस अवसर परीक्षा प्रभारी नरेन्द्र शर्मा , बाबूलाल भाटी सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे ।

रेफ़र करें, पैसे कमाएँ और जीतें - फटाकपे ने शुरू किया 'प्रीमियर लीग' कैंपेन, 15 लाख तक के इनाम जीतने का मौका

मुंबई। भारतङ्क = फटाकपे ने क्रिकेट सीज़न पर आधारित अपने रेफ़रल कैंपेन, फटाकपे प्रीमियर लीग (FPL) का शुभारंभ किया है। इस कैंपेन में यूजर्स को पक्के तौर पर डिजिटल गोल्ड रिवॉर्ड के साथ-साथ डिजिटल गोल्ड, टेलीविज़न तथा स्कूटर जैसे बड़े इनाम जीतने का मौका दिया जा रहा है, और इसके तहत इनाम की कुल राशि ?15 लाख तक है।

इन दिनों चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग के साथ-साथ यह कैंपेन भी 28 मार्च से 31 मई, 2026 तक जारी रहेगा, जो क्रिकेट के रोमांच और आर्थिक फायदों को एक साथ जोड़ता है। यूज़र्स अपने दोस्तों और परिवार के लोगों को फटाकपे पर साइन-अप करने और इंस्टेंट लोन या फटाकउड़ान प्रोडक्ट इस्तेमाल करने के लिए रेफ़र करके इसमें हिस्सा ले सकते हैं। आपने जिसे रेफ़र किया है अगर वह लोन की रकम प्राप्त कर ले, या फिर फटाकउड़ान को एक्टिवेट कर ले, तभी उस रेफ़रल को सफल माना जाता है; और हर सफल रेफ़रल को एक रन के बराबर माना जाता है, जिनकी मदद से यूज़र्स आगे चलकर अपने रिवॉर्ड्स को अनलॉक कर सकते हैं।

हर महत्वपूर्ण पड़ाव पर यूज़र्स पक्के इनाम जीत सकते हैं, जिनमें दो सफल रेफ़रल पर ?100 का डिजिटल गोल्ड, चार सफल रेफ़रल पर ?500 के इनाम, और छह सफल रेफ़रल पर ?1000 के इनाम शामिल हैं। इतना ही नहीं, चार और छह रेफ़रल सफलतापूर्वक पूरे करने वाले यूज़र्स को लकी-ड्रॉ में भाग लेने का भी मौका मिलेगा, जिसमें वे 32-इंच के पाँच टीवी सेट या एक टीवीएस एनटॉर्क स्कूटर जीत सकते हैं। इस कैंपेन के तहत रेफ़रल के लिए कुल आवेदनों की संख्या 1,00,000 तक पहुँचते ही स्कूटर वाला इनाम अनलॉक हो जाएगा, जो इसे सबके द्वारा साथ मिलकर हासिल की गई उपलब्धि बनाता है।

इस मौके पर फटाकपे के चीफ़ बिज़नेस ऑफ़िसर, अभिषेक गांधी ने कहा, फटाकपे प्रीमियर लीग ने भारत के सबसे बड़े क्रिकेट सीज़न के उत्साह और सांस्कृतिक लहर का फायदा उठाते हुए, रेफ़रल को जोश से भरे और इनाम जीतने के शानदार अनुभव में बदल दिया है। हम चाहते हैं कि हमारे यूज़र्स भी क्रिकेट के उसी रोमांच को महसूस करें, जिसमें हर सफल रेफ़रल के बाद उन्हें एक बाउंड्री लगाने जैसा अनुभव हो। हमारे यूज़र्स अपनी आर्थिक ज़रूरतों के लिए न केवल हम पर भरोसा करते हैं, बल्कि अपने दोस्तों और परिवार के बीच भी हमें बढ़ावा देते हैं, और हमने इस कैंपेन के जरिए अपने यूज़र्स के उस भरोसे के प्रति सम्मान जताया है।

इस कैंपेन में यूज़र्स को साफ़ तौर पर कई फायदे मिलने वाले हैं, जिनमें डिजिटल गोल्ड के ज़रिए पक्की कमाई, बड़े इनाम जीतने के मौके, और रेफ़रल के आधार पर इसमें भाग लेने की आसान प्रक्रिया शामिल है, साथ ही, यह यूज़र्स को अपने दोस्तों और करीबियों को भी आर्थिक सेवाओं का फायदा उठाने में मदद करने का मौका भी देता है। ?15 लाख तक के इनामों के साथ, यह कैंपेन फिनटेक के क्षेत्र में लोगों को जोड़ने वाली एक मज़बूत पहल के रूप में उभरकर सामने आता है।

सिर्फ कैंपेन की अवधि के दौरान किए गए रेफ़रल ही मान्य होंगे, तथा इनाम केवल सफल और जांचे गए रेफ़रल के आधार पर ही दिए जाएंगे। रेफ़र करने वाले और रेफ़र किए गए, दोनों यूज़र्स के लिए नियम व शर्तों को पूरा करना आवश्यक है, जिसमें ऐप इंस्टॉल करना और वेरिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करना शामिल है। अच्छी तरह जांच के बाद ही इनाम दिए जाएंगे, और लकी-ड्रॉ के विजेताओं का चयन रैंडम तरीके से किया जाएगा।

देवास जिला माहेश्वरी महिला संगठन का कार्यसमिति सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पप्पू एंड पप्पू रिसोर्ट सोनकच्छ में देवास जिला माहेश्वरी महिला संगठन का कार्यकर्ता सम्मान एवं शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत गरिमामय और भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ने की।

भक्तिमय शुरुआत और भव्य स्वागत- कार्यक्रम का आतिथ्य सोनकच्छ महिला संगठन द्वारा किया गया। महेश वंदना की प्रस्तुति अनीता मुंदड़ा,अनीता दरक, सीमा राठी एवं कोमल चांडक द्वारा दी गई। नृत्य द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति मनीषा लाठी, ममता राठी, एकता दरक, निधि लाठी एवं रूपाली दरक द्वारा दी गई। कार्यक्रम के अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मंगला परवाल ने की। इस अवसर पर मंगला परवाल एवं उनकी टीम द्वारा नवनिर्वाचित जिला पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत व सम्मान किया गया।

शपथ विधि एवं दायित्व बोध- पश्चिम मध्य प्रदेश प्रादेशिक महिला संगठन की नवनिर्वाचित प्रदेश सचिव साधना बियाणी ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को सेवा और संगठन के प्रति समर्पित रहने की शपथ दिलाई।

वरिष्ठों का पाथेय-संगठन के मंत्र- प्रदेश अध्यक्ष उषा सोडाणी ने संगठन की कार्यप्रणाली को सशक्त बनाने पर विचार रखे। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष शोभा माहेश्वरी ने मैं का त्याग कर हम के भाव से सेवा करने का मंत्र दिया। नवनिर्वाचित प्रदेश सचिव साधना बियाणी ने पदाधिकारियों को उनके कर्तव्यों की गहराई से जानकारी दी। प्रदेश कोषाध्यक्ष किरण लखोटिया ने आर्थिक प्रबंधन और कोष संवर्धन के महत्व को समझाया। पूर्व जिला अध्यक्ष सत्यनारायण लाठी ने भाषा, भूषा, भोजन और भजन के माध्यम से संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान किया।

आरूषी बाहेती का ऐतिहासिक सम्मान- समारोह का सबसे गौरवान्वित करने वाला क्षण वह था जब समाज की होनहार सुपुत्री आरुषी बाहेती का विशेष सम्मान किया गया। आरूषी ने देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक नेशनल डिफेंस एकेडमी में ऑल इंडिया गर्ल्स रैंक 15 प्राप्त कर पूरे देश में देवास और माहेश्वरी समाज का नाम रोशन किया है।

रायसेन में उन्नत कृषि महोत्सव 2026 में शक्ति पंप्स ने किसानों के लिए पेश किए एडवांस सोलर पंपिंग सॉल्यूशंस

रायसेन। शक्ति पंप्स लिमिटेड ने 11 से 13 अप्रैल 2026 के दौरान रायसेन में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव (नेशनल एग्रीकल्चर फेस्टिवल) में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया, वहीं समापन सत्र में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी शामिल हुए।

तीन दिनों तक चले इस भव्य आयोजन में कृषि क्षेत्र से जुड़ी 200 से ज्यादा कंपनियों ने अपने स्टॉल लगाए, जहां इनोवेशन, सहयोग और किसानों से सीधे संवाद का शानदार माहौल देखने को मिला।

शक्ति पंप्स ने अपने पवेलियन में पूरे तीन दिनों तक 3 ॥क्रसोलर पंप का लाइव डेमो दिया, जिससे किसानों को इसकी कार्यक्षमता और फायदे समझने का मौका मिला। इसके साथ ही कंपनी ने अपने लेटेस्ट सोलर पंप सिस्टम, स्टेनलेस स्टील सबमर्सिबल पंप, सरफेस और ओपनवेल पंप भी प्रदर्शित किए, जो आधुनिक खेती की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं।

इस मेले में प्रगतिशील किसान, एग्री-उद्यमी, सरकारी प्रतिनिधि और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स बड़ी संख्या में शामिल हुए। शक्ति पंप्स की टीम ने किसानों से सीधे बातचीत कर पानी की उपलब्धता, ऊर्जा खर्च और सिंचाई से जुड़ी समस्याओं को समझा। इससे न सिर्फ प्रोडक्ट्स की उपयोगिता दिखाने में मदद मिली, बल्कि कंपनी के किसान-केंद्रित इनोवेशन अप्रोच को भी मजबूती मिली।

कंपनी का यह प्रयास मध्य प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण कृषि राज्य में उसकी पकड़ को और मजबूत करता है, जहां सोलर और आधुनिक सिंचाई तकनीकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। सरकारी नीतियों और किसानों में बढ़ती जागरूकता के चलते आने वाले समय में कुशल पंपिंग सॉल्यूशंस की मांग और बढ़ने की संभावना है, और शक्ति पंप्स।

शहर मे विकास कार्य, की राह तक रही है उबड-खाबड खराब सडके, सड़क कम गड्ढे बड़े-बडे

खुले गहरे गड्ढे हादसो को दे रही है निमंत्रण, विभाग के जिम्मेदार अधिकारी इस और ध्यान दे

नगर पालिका सी एम ओ कमला कोल को अवगत कराने के लिए फोन लगया गया था पर बार बार बिजी आ रहा था। बाद मे कोई रिप्लाई तक नही दिया गया, बड़े-बड़े गड्डो के बारे मे खराब सडको को लेकर।

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की बैंक कॉलोनी में रहने वाले लोग इन दिनों जर्जर सड़कों और गंदगी की समस्या से खासे परेशान हैं। कॉलोनी की मुख्य सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है, जहां जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी खतरनाक हो गई है, जिससे आए दिन दुर्घटनाओ जैसी गम्भीर स्थिति बनी हैं।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि कई बार बच्चे और बुजुर्ग इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो चुके हैं। बावजूद इसके नगर पालिका द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

सिर्फ सड़क ही नहीं, बल्कि कॉलोनी की नालियों की स्थिति भी बेहद खराब है। नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गंदगी फैल रही है और कई जगह नालियां खुली पड़ी हैं, जो दुर्घटनाओं को न्योता दे रही हैं। इससे आसपास के क्षेत्र में बदबू और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है।

रहवासियों ने नगर पालिका प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने और नालियों की सफाई एवं समय-समय पर ध्यान दिया जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो , कभी भी कोई बड़ी घटना हुई तो इसकी जिम्मेदारी नगर पालिका की रहेगी।

कारण इन्ही रास्तो पर से स्कूल वाहन और स्कूली बच्चो का आने जाने का मुख्य मार्ग भी है।

इनका कहना है

कल सुबह नालियो कि साफ-सफाई कार्य और खुलिनालियो को व्यवस्थित रूप से ढकने का कार्य किया जाएगा।

-प्रकाश चिंते,
नगर पालिका स्वच्छता अधिकारी

एम एजूकेशन अकेडमी की छात्रा खुशबू कुंवर ने प्रदेश की मेरिट सूची में नौवा स्थान प्राप्त कर रचा इतिहास

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। तहसील के ग्राम भाटपचलाना में स्थित एम.एजूकेशन अकेडमी का नाम एक बार फिर प्रदेश में रोशन हुआ है। विद्यालय की कक्षा 10 वीं की छात्रा खुशबू कुंवर पिता टीकम सिंह चौहान ने माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा में 500 में से 491 अंक यानी 98.3% प्राप्त कर प्रदेश की मेरिट सूची में नौवा स्थान एवं विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। वही द्वितीय स्थान इशिका राठौड़ 97.4% 487/500 तृतीय स्थान पर वेदिका अशावत रही 97% 485/500 कक्षा 12 वीं में प्रार्थना बारोड़ ने 91% 455/500 अंक प्रात कर स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया द्वितीय स्थान पीयूष परासिया 89.6% 448/500 तृतीय स्थान पर राजश्री राठौर 89.4% 447/500 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया

खुशबू की इस शानदार उपलब्धि से न सिर्फ स्कूल बल्कि पूरे जिले में खुशी की लहर है। ग्रामीण क्षेत्र के निम्न मध्यमवर्गीय किसान परिवार से आने वाली खुशबू के पिता टीकम सिंह चौहान खेती-किसानी करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद बेटी ने अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है।

सफलता के बारे में पूछने पर खुशबू ने बताया कि, मैं नियमित स्कूल जाने के साथ रोज 3 से 4 घंटे घर पर पढ़ाई करती थी। शिक्षकों का मार्गदर्शन और माता-पिता का सहयोग मेरी सबसे बड़ी ताकत रही। खुशबू का सपना भविष्य में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण कर देश की सेवा करना है।

विद्यालय के प्राचार्य शिराज जाफरी ने खुशबू की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं सही मार्गदर्शन मिलने पर किसी से पीछे नहीं हैं। खुशबू की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

विद्यालय परिसर में मिठाई बांटकर खुशी मनाई गई और खुशबू कुंवर का सम्मान किया गया।

बुद्ध बिहार स्थापना दिवस एवं 14 अप्रैल बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर ज़ी की जयंती मनाई गई

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकारुणिक बुद्ध विहार के तत्वावधान में बुद्ध विहार की स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने पर महाकारुणिक बुद्ध विहार आनंद नगर खरगोन में 14 अप्रैल 11-30 बजे परम पूज्य बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती मनाई गई इस मौके पर सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस मौके पर वक्ताओं ने जीवन पर प्रकाश डाला एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष रवि नाइक जी ने हमारे देश का संविधान बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी ने लिखा जो दुनियां का सबसे सर्वश्रेष्ठ संविधान है, कमल मालसे जी ने भी बाबा साहब डॉ अंबेडकर जी पर अपने विचार व्यक्त किए अंत में महाकारूणिक बुद्ध विहार के संरक्षक संजीव कुमार जी (बौद्धाचार्य) द्वारा बुद्ध वंदना त्रिशरण पंचशील का पाठ कराया गया इस मौके पर सैकड़ों महिला पुरुष बुद्ध विहार में अम्बेडकर जी की जयंती में शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रूप से पूनमचंदजी गांगले जी, शंकर गांगले जी, एड्वोकेट श्याम कुमार गांगले जी, कुणाल गांगले, इमरान शेख, जितेंद्र भावसार, मोहित गांगले, राजेश मंडलोई, विजय कोचले, दुर्गा पंचोली, मोनिका गांगले, कुणाल गांगले, भारत गांगले, गजा मंसारे, गठिया मंशारे, आदि।

5 वी संभागीय ताइक्वंडो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण, रजत, कांस्य

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश ताइक्वांडो संघ भोपाल के मार्गदर्शन में ताइक्वांडो डेवलेपमेंट एसोसिएशन धार द्वारा 5 वी संभागीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन धार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में दिनांक 11 से लेकर 13 अप्रैल के बीच किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने किया जिसमें खरगोन जिले से 25 खिलाड़ियों ने भाग लिया।खिलाड़ियों ने अपने अपने वजन वर्ग में पदक जीते। स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है।

दीपजोय देवनाथ ,योगिता सोलंकी,नेत्रा रघुवंशी,साक्षी प्रजापत रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के नाम अंशित कुमार,मानशिका वर्मा ,कृतिका यादव रहे। कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के नाम निष्ठा जायसवाल,मनस्वी गुप्ता, सांभवी मीणा,जतिन कुशवाह, जयवर्धन राठौड़, खरगोन टीम प्रशिक्षक जिला ताइक्वांडो डेवलेपमेंट एसोसिएशन द्वारा सूरज पाल,संगीता चौहान,विवेक सिंह को नियुक्त किया गया। प्रतियोगिता में जिले से चेतना मानूरकर एवं तेजस्विनी पाठक ने निर्णायक की भूमिका निभाई।खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर जिला ताइक्वांडो डेवलेपमेंट एसोसिएशन खरगोन के अध्यक्ष इब्राहिम मलिक, सचिव सावन प्रजापत,ऋषु सोलंकी,आदि ने बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की।

चोरी हुई बाइक का थाना प्रभारी ने 48 घंटे में लगाया पता

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया 12 अप्रैल की रात्रि को 9 बजे ग्राम मदाना गांव के जंगल में आग लगने के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण जन आग बुझाने पहुंचे थे उसी में एक मदद के लिए पहुंचे ग्राम के सुजान सिंह पिता बाबूलाल जी राजपूत भी थे ग्रामीण जन पेड़ के पत्तों से आग बुझा रहे थे आग बुझाने के बाद जब सब अपने-अपने घर की ओर निकल रहे थे तभी सुजान सिंह ने देखा कि उनकी मोटरसाइकिल मौके पर नहीं है यह सूचना ग्रामीण जनों को दी बड़ी संख्या में ग्रामीण 12 अप्रैल की रात्रि को पुलिस थाना सलसलाई पहुंचे और प्रकरण दर्ज करवाया साथ तीन दिन का उल्टी मैडम भी देकर आए थे कि अगर तीन दिन में हमारी बाइक नहीं मिली तो हम मदाना जोड़ पर चक्का जाम करेंगे 14 अप्रैल को सलसलाई पुलिस ने अन्य पुलिस थानों के जवानों के मदद लेकर माधोपुर देवड़ा मे कंजर समुदाय के डेरों में दबीज दी लेकिन 6 बजे तक कोई सफलता नहीं मिली पुलिस को अल्टीमेटम का भी भेह बना था क्योंकि ग्राम मदाना गांव के ग्रामीणों द्वारा 15 अप्रैल को चक्का जाम का अल्टीमेटम भी दे दिया था।

बच्चों की मेहनत से फिर विद्यालय का नाम हुआ रोशन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश के कक्षा दसवीं और बारहवीं के बोर्ड के परिणाम घोषित किए गए। उक्त परीक्षा परिणाम में श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल धरोला आलोट में पल्लवी सिसोदिया ने कक्षा 12वीं में 91.6% अंक अर्जित कर आलोट शहर में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12वीं वाणिज्य संकाय में पल्लवी सिसोदिया 91.6% प्रथम स्थान, गर्व वेद 88.6% द्वितीय स्थान, सीमा कुंवर 84% तृतीय स्थान तथा विज्ञान संकाय में सिया पांचाल 80.4% प्रथम स्थान, शीतल कुंवर 78.2% द्वितीय स्थान, निकिता आंजना 76.8% तृतीय स्थान वही कला संकाय में यामिनी वेद 84.8त्न प्रथम स्थान, अनस खान 76.4% द्वितीय स्थान, किरण आंजना 75.8% तृतीय स्थान पर रही।

12वीं कक्षा का सकल परिणाम 92% रहा। वहीं 10वीं बोर्ड में रानी राठौर ने 87.2% अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया कृष्णा कुंवर 83.4% अंकों के साथ द्वितीय तथा चाहत पोरवाल 82.6% अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही। 10 वीं हिन्दी माध्यम में आस्था शर्मा और सुमेर सिंह 82.6% अंकों के साथ प्रथम स्थान पर मनीषा डोडिया 82.2% अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर तथा अक्षिता आंजना 78.4त्न अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही।

विद्यालय परिवार सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है। विद्यालय सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को भी इस सफलता का श्रेय देते हुए उन्हें भी बधाई प्रेषित करता है। प्राचार्य श्री भरत आंजना ने परिणाम की जानकारी देते हुए कहा कि यह परिणाम आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत सिद्ध होगा।

लोटस कॉन्वेंट स्कूल बंगरेड ने रचा, ऐतिहासिक कीर्तिमान

बड़नगर तहसील में इस बार पुनः सर्वश्रेष्ठ परीक्षा परिणाम

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं/12वीं की बोर्ड परीक्षा में लोटस कॉन्वेंट स्कूल बंगरेड के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है !

जिसमें..वंशिका सत्यनारायण विश्वकर्मा पिटलावदिया ने..96.6% के साथ बड़नगर एवं आस पास के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर इतिहास रच दिया।

मिताली शैलेंद्र खत्री बड़नगर ने 94.8%, राजश्री महेंद्रसिंह कुशवाह असावता ने 94.4%, मुस्कान प्रकाशचंद्र शर्मा असावता ने 93%, यास्मीन साबिर मोहम्मद बड़नगर ने 92.8%, तनिष्का शैलेंद्रसिंह सिसोदिया बड़नगर ने 92.8%, सर्वेश संजय शर्मा बड़नगर ने 91%, अनुष्का मनोज मालवीय पीपलू ने 90.6%, अलका जितेंद्रसिंह डोडिया धतुरिया ने 90.2% अंक प्राप्त किए !

75% से अधिक अंक..कक्षा 12वीं में 61 विद्यार्थियों ने एवं कक्षा 10वीं में 52 विद्यार्थियों ने प्राप्त किए।

संस्था संचालक श्री जितेंद्रसिंह राजावत ने बताया कि यह ऐतिहासिक कीर्तिमान विद्यार्थियों की लगन,मेहनत एवं समर्पण का प्रतिफल है ! संस्थाध्यक्ष श्री कमलसिंह राजावत,प्राचार्य श्री राहुल कैलाश शर्मा एवं समस्त स्टॉफ ने हर्ष व्यक्त कर विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

बेटी चंचला और बेटे कृष्णा सोनी ने परिवार के सपनों को दिए पंख

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खरगोन शहर के जैतापुर निवासी छात्रा चंचला सोनी एवं छात्र कृष्णा सोनी ने बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट परिणाम हासिल कर परिवार के सपनों को पंख दिए है। चंचला 12वी गणित संकाय में 90 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं कृष्णा ने 10 वीं कक्षा में 82 प्रतिशत अंक अर्जित किए। चंचला और कृष्णा के पिता फुटपाथ पर टोपी-चश्मे की दुकान संचालित कर परिवार का भरण-पोषण करते है। एक मझले व्यवसायी के बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से परिवार में खुशी का माहौल है। चंचला ने बताया कि माता-पिता ने पढ़ाई में कभी आर्थिक तंगी को आड़े नही आने दिया। उनके निरंतर प्रोत्साहन और गुरुजनों के मार्गदर्शन से यह परिणाम हासिल किया है। हमारी अच्छे भविष्य के परिजनों ने जो सपने देखे है उन्हें अपनी मेहनत, लगन से पूरा करने का प्रयास करते रहेंगे।

नवागत कलेक्टर ने श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नवागत कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने आज जिले के प्रसिद्ध श्रृंगेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा जिले की सुख-समृद्धि और नागरिकों के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर कलेक्टर ने मंदिर परिसर में स्थित पंचमुखी हनुमान जी एवं माही माता की प्रतिमाओं के भी दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने जिले के सर्वांगीण विकास एवं शांति के लिए प्रार्थना की। कलेक्टर के इस आध्यात्मिक दौरे को जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं सकारात्मक सोच का प्रतीक माना जा रहा है।

जयस ने श्रद्धापूर्वक मनाई बाबा साहेब की जयंती

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर बदनावर जयस द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान जयस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने पर जोर दिया। उन्होंने समाज में शिक्षा के प्रसार, आपसी एकता, और सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने के लिए जनजागृति फैलाने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर द्वारा दिखाए गए समानता और न्याय के मार्ग पर चलकर ही समाज का सर्वांगीण विकास संभव है। जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल चल समारोह निकाला गया, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ मंडी प्रांगण पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में युवाओं और समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंडी प्रांगण में आयोजित सभा में विभिन्न वक्ताओं ने बाबा साहेब के सिद्धांतों और उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आदिवासी अधिकारी कर्मचारी समन्वय संघ (जकास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश महावी, बदनावर तहसील अध्यक्ष राहुल गिरवाल, उपाध्यक्ष ओंकार भाभर, महामंत्री विनोद वसुनिया, बदनावर नगर अध्यक्ष राकेश दिया एवं वरिष्ठ समाजसेवी नंदराम भूरिया सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी जयस उपाध्यक्ष ओंकार भाभर द्वारा दी गई।

काश्यप विद्यापीठ में प्रतिभाओं का सम्मान

53 मेधावी छात्र रिस्ट वॉच और स्मृति चिन्ह से नवाजे गए

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय काश्यप विद्यापीठ में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन के संरक्षण में बुधवार, 15 अप्रैल 2026 को एक गरिमामयी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 53 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर उनकी हौसला अफजाई की गई।

समारोह में मुख्य रूप से समन्वयक विपिन जैन एवं प्राचार्या श्रीमती नंदा व्यास उपस्थित रहे। अतिथियों के करकमलों द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। चैतन्य काश्यप फाउंडेशन की ओर से प्रत्येक मेधावी छात्र को स्मृति चिन्ह और रिस्ट वॉच (घड़ी) भेंट की गई, जिसे पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों ने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन की जमकर प्रशंसा की। सर्वेश मंडलेचा ने कहा कि इंदौर जैसे बड़े शहरों के संस्थानों की तुलना में यह विद्यालय अनुशासन और समग्र विकास के मामले में श्रेष्ठ है। मोरे ने साझा किया कि उनकी पुत्री ने यहाँ शिक्षा के साथ-साथ बेहतर संस्कार भी सीखे हैं। श्रीमती शर्मिला वास्केल ने बताया कि उनकी पुत्री ने पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का नाम रोशन किया है। सम्मानित होने वाले छात्र-छात्राओं ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के मार्गदर्शन को अपनी सफलता का आधार बताया। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक रवीन्द्र शर्मा ने किया। अंत में प्राचार्या श्रीमती नंदा व्यास ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सम्मानित सितारों की सूची - कक्षा 12वीं (26 छात्र) अभिजीत सिर्वी, वितराग जैन, विनीता भाद्विया, कृति कांकरेचा, मानसी पाटीदार, साहिना शाह, यश्वी जैन, कनिष्का उपाध्याय, अंश कुमार जैन, हर्षिता सिर्वी, लावण्या पालीवाल, देवांशी गुजराती, आंचल शर्मा, नव्या गामी, आदिश जैन, भूमि सेठिया, अभी नाहर, शुभम सिंह डोडिया, भव्य सोनी, अवधी निंबोला, प्रियम बैरागी, रविराजेश्वर सिंह पवार, संयम डांगी, शिवम ठाकुर, अनंत चोपड़ा एवं सजल प्रज्ञा राठौर।

कक्षा 10वीं (27 छात्र) - धनिष्का मकवाना, यशस्वी सिंह राठौर, हर्षित उपाध्याय, पर्व मोदी, सिया मंडलेचा, सान्वी पटवा, कर्षित पाटीदार, स्तुति जैन, कुणाल पाटीदार, अनिहा गदिया, अवि राजपुरोहित, प्रथम गोयल, सौम्य बाफना, गर्व कोठारी, निश्चल सुराना, अंश राठौड़, आरुषि कोठारी, मिष्ठी संघवी, अनुष्का मोरे, हर्षिता वास्केल, ऋषिका भाटी, अरहम धोका, फातिमा छिपा, रश्मी मौर्य, ओजल जैन, वेदांश व्यास एवं आराध्या वर्मा।

झाबुआ ने रचा सफलता का इतिहास

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ जिले ने इस वर्ष Higher Secondary एवं हाई स्कूल परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किया है। Higher Secondary परीक्षा में झाबुआ ने 93.23त्न परिणाम के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है, जो जिले के लिए गर्व का विषय है। वहीं, हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में भी झाबुआ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 87.83% परिणाम के साथ प्रदेश के शीर्ष 5 जिलों में स्थान बनाया है।

NAME CHANGE

I ZAINAB w/o AQEEL HUSSAIN, here by declare that I have changed my name as ZAINAB NAGPURWALA w/o AQEEL HUSSAIN so from Now and in future I will be known by my new name ZAINAB NAGPURWALA w/o AQEEL HUSSAIN.

Add: H. No. 80, Kharakunwa dada Bhai Nauroji Marg Ujjain M.P. Pin 456006

उन्हेल उज्जैन गुजराती सेन समाज बड़नगर के अध्यक्ष बने सोलंकी

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुजराती सेन समाज बड़नगर के अध्यक्ष पद पर दिनेश सोलंकी खरसोद खुर्द को बड़नगर सेन समाज के अध्यक्ष बनने पर समाज के सरल स्वभाव के धनी श्री सोलंकी को नगर एवं क्षेत्रीय समाज जनों ने बधाई देकर हर्ष व्यक्त किया है बधाई करता प्रमुख रूप से सरपंच राकेश परमार अमृतलाल भेरूलाल वर्मा लखन वर्मा निर्मल सोलंकी प्रेस क्लब अध्यक्ष नितेश वर्मा कुलदीप सोलंकी आलोट अशोक सोलंकी अजंदा नरेंद्र सोलंकी धर्मेंद्र सोलंकी धर्मेंद्र वर्मा सेन समाज अध्यक्ष उन्हेल रणछोड़ दा सोलंकी तोलाराम सोलंकी नंदलाल सोलंकी सहित सैकड़ो समाज जनों ने हर्ष व्यक्त कर श्री सोलंकी को बड़नगर सेन समाज अध्यक्ष बनने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अपने वंश में कोई भागीरथ जन्म लेता है तो कुल का नाम तार देता है, पीड़ा नारी को माँ बना देती है - कमलकिशोर नागर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जों भक्त व ब्राम्हण देवता सभा में विराजते है वो सभा का श्रृंगार है।सवारी गाड़ी आउटर पर खडी रहती है सिंग्नल के बिना स्टेशन पर नहीं आती है वैसे ही अकाल मौत वाले आउटर पर ही पढ़े रहते है।शरीर छूटने के बाद इसका नाम फूल हो जाएगा, डॉक्टर के पास गया तो शरीर की जांच और हड्डी लेकर गया तो हरिद्वार गया।

फूल पर ही भगवान का वास है जल में नारायण है शुरू दिन जों कलश यात्रा निकली वो जल यात्रा है वो आत्मा जल का कलश है वो आत्मा शोभयात्रा में आकर कथा में आती है। आनंद लेती है। पीड़ा नारी को माँ बना देती है पीड़ा हो जाए तो यह संकेत है की आत्मा आनंद में समा गई है। कलश यात्रा में लोटे पर रखे श्रीफल फटा मतलब संकेत हो जाता है की आत्मा आई है।बांस और वंश दोनों की खूबी है वंश में कोई भागीरथ पैदा हो।इसलिए वंश की अभिलाषा है। अपने वंश में भागीरथ हो तो कुल तार देता है। कभी कोई प्राणी सिद्ध हो जाते है भारत की धरती पर कई ऐसे स्थान है जों सिद्ध नहीं प्रसिद्ध है प्रसिद्ध होना बड़ी बात नहीं सिद्ध होना बड़ी बात है।

उक्त प्रेरक विचार गांव पिंजराया में गोहिल परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन मालव माटी व मालवी वाणी के विख्यात कथावाचक पं. कमलकिशोर नागर ने व्यक्त किए। पं. नागर के व्यास पीठ आगमन पर आयोजक रतन सिंह गोहिल सुपुत्र मेहरबान सिंह एवं इन्दर सिंह गोहिल द्वारा सपत्निक पोथी व कथावाचक की पूजा अर्चना की। कथा के पांचवे दिन अपने प्रेरक उद्बोधन मे पर्यावरण, प्रकृति,संस्कृति व शिक्षा पर अद्भुत प्रेरक विचार व्यक्त करते हुए कथा के रसिक श्रोताओं से आम के पेड़ लगाने का आव्हान किया। 12 करोड़ गर्भवती महिलाए जब बच्चों को जन्म देती है तब जाकर उसमें एक तारा जन्म लेता है। 16 लाख विद्यार्थियों का आज परीक्षा परिणाम जारी हुआ है सब कलेक्टर नहीं बनेंगे लेकिन शिक्षा व्यर्थ नहीं जाएगी वैसे ही इस कथा में बैठने वालों की भक्ति व्यर्थ नहीं जाएगी।

गाय का दूध अमृत है लेकिन सवा माह तक भगवान पर नहीं चढ़ता है- अशुद्द महिलाओ का भोजन घर में जाना वर्जित है जिस मनुष्य के तन व मन में विशुद्धि होती है भगवान उसे स्वीकार नहीं करते है। गाय के दूध में अमृत है लेकिन सवा माह तक भगवान को नहीं चढ़ता है वैसे ही मनुष्य की संपत्ति यदि विशुद्ध है तो भगवान व धर्म के कार्य में नहीं लगती है।

आप सोयाबीन गेंहू की फसल की रखवाली नहीं करते है लेकिन आम के एक पेड़ पर लगे फलो की रखवाली करते है वैसे ही व्यक्ति जब भी मुसीबत में आता है ईश्वर उस एक की रखवाली करने जरूर आते है।ठीक वैसे ही इस कथा का लाभ एक व्यक्ति के कारण सब ले रहे है।आम के पहले मोड़ आता है फिर फल आता है। सत्संग कथा से बहूँ बेटियों में मोड़ आना तय है और थोड़ा भी मोड़ आ गया तो जीवन रूपी पेड़ पर संस्कृति संस्कार का फल जरूर आएगा। आचार विचार आम ने सिखाया है। एक गर्भवती कथा सुनले तो 80 साल सुधरने की गारंटी है गर्भ में पलने वाला बच्चा सुन ले तो वो भागवान होगा और खेती में लगे आम के पेड़ की तरह आध्यात्मिक फल देगा।

नाम में राम व कार्यों में सेवा अमृत है- भगवान राम के द्वारा लक्ष्मण को रावण से ज्ञान की बात जानने का बोला और ज्ञान ग्रहण के समय स्थान चयन की सिख दी। रावण ने लक्ष्मण को संवाद में 10 अमृत बताए। नामों में राम अमृत है,शरीर में आँख कार्यों में सेवा, फलो में आम, नक्षत्र में चन्द्रमा, शक्ति में दुर्गा, नारी में शीलता का गुण अमृत है,।नोजवान युवक में मधुरभाषि होना अमृत है। दुनिया में केवल शिव ही सिद्ध है मंत्रो में गायत्री मंत्र सिद्ध है। आपने जों यंहा सुना वो तपोवन में सुनने को मिलता है।

भागवत कथा दुर्गुण रूपी वायरस से कोरोना की तरह दूर रहने की चेतावनी देती है-गोविन्द जी नागर- भागवत कथा के पांचवे दिन कथा के प्रारम्भ में आधे घंटे की कथा में बाल संत कथावाचक गोविन्द हाटकेश नागर ने अतिरिक्त व्यास पीठ से कहा कथा शुरू से अंत तक चेतावनी दे रही है जीवन में मिलें समय को बर्बाद मत करो। कोरोना में सरकार ने चार कदम दूर रहने की बात कहकर वायरस से सुरक्षित रखा था। ये कथा भी चौराहे पर फालतू बैठे दुर्गुण रूपी वाइरस से चार कदम दूर रहने की चेतावनी देती है।

कमल से शोभा सरोवर की कंगन से शोभा हाथ की, चन्द्रमा से शोभा रात्रि की होती है वैसे ही श्रोताओं से ही शोभा सभा की होती है।सिर पर रखी चूमली पर मटका टिकता है और झलकता, हिलता नही और फूटता नहीं है। यदि चूमली हटा दो तो गिर जाता है।धर्म के ऊपर अर्थ टिकता है और धर्म पर ही अर्थ टिका हुआ है।हमारा धन धर्म में लगेगा तभी सुरक्षित व संरक्षित है। गलत कार्यों में किया खर्च राम का नहीं हराम का है।जानकारी गोवर्धन सिंह डोडिया खिलेड़ी ने दी।

कला गर्ग मारवाड़ी महिला सम्मेलन की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमारी बाल्दी ने सामाजिक धार्मिक कार्यों में सक्रियता को देखते हुए कालापीपल निवासी समाजसेवीका कला गर्ग को मारवाड़ी महिला सम्मेलन का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है उल्लेखनीय है कि कला गर्ग वर्तमान में श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट महिला मंडल प्रदेश अध्यक्ष सहित कई सामाजिक धार्मिक संस्थाओं से जुड़कर अपना योगदान दे रही है श्रीमती गर्ग के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर कालापीपल से वीना गोयल भारती गर्ग छाया गांधी यामिनी पालीवाल राजकुमारी अग्रवाल गीता दुबे अर्चना सोनी अनीता गर्ग सुनीता गर्ग सारिका अग्रवाल सुमन गर्ग रानी सोनी तेजश्री जैन रेखा बिंदल अन्नपूर्णा मंगल शारदा अग्रवाल सरिता गुप्ता रिता अग्रवाल मीना मित्तल रेखा बंसल रितु अग्रवाल वर्षा बंसल सहित सभी महिला मित्रों ने हार्दिक बधाइयां दी है।

आईजी पब्लिक स्कूल बदनावर का ऐतिहासिक परिणाम

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहे आईजी पब्लिक स्कूल, बदनावर ने इस वर्ष कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्था का परीक्षा परिणाम न केवल शत-प्रतिशत रहा, बल्कि कक्षा 12वीं की पहली ही बैच ने अपने पहले प्रयास में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

संस्था के लिए यह गौरव का विषय है कि कक्षा 12वीं में दर्ज सभी 18 बच्चों ने सफलता प्राप्त की, जिनमें से 14 बच्चों ने प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर कीर्तिमान रचा। वाणिज्य संकाय हर्षिता गजेंद्र जायसवाल ने 91.4त्न अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं युवराज लोकेन्द्रसिंह चावड़ा ने 85.2% और अनुबाला दशरथ सिर्वी ने 78.4त्न अंकों के साथ श्रेष्ठता सिद्ध की।

विज्ञान संकाय शानू कैलाश पांचाल ने 83त्न के साथ संकाय में प्रथम स्थान पाया। विद्या भरतलाल परमार ने 79% और इशिका भूपेंद्र भाटी ने 76.2त्न अंक अर्जित किए। विशेष बात यह है कि ये सभी छात्र लैपटॉप विनर% की श्रेणी में शामिल होकर संस्था का मान बढ़ाया है।

10वीं बोर्ड में भी स्कूल के छात्र पीछे नहीं रहे। कुल 42 छात्र-छात्राओं में से 35 ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जयदीप रामलाल पाटीदार ने 96% जैसे असाधारण अंक प्राप्त कर बदनावर तहसील में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

अन्य मेधावी छात्र में साधना 95%, चाहत 93.4%, विवेक पाटीदार 90.4%, अनीश प्रजापत 89%, सुजल जाट 87त्न, सुश्री मेघा 84त्न, सुश्री उर्वशी 84त्न, पीयूष डांगी 83.4%, और पुष्पेंद्र सिंह पंवार 83त्न ने प्रथम श्रेणी में आकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

विद्यार्थियों की इस अभूतपूर्व उपलब्धि पर आईजी पब्लिक स्कूल परिवार में हर्ष की लहर है। संस्था प्रबंधन और शिक्षकों ने सभी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें बधाई प्रेषित की है। अभिभावकों ने भी बच्चों की इस सफलता का श्रेय विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आलोट बोर्ड परीक्षा अच्छा रहा

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आलोट मे कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड का परीक्षा परिणाम अच्छा रहा, कक्षा 10वीं परीक्षा में 102 छात्राएं सम्मिलित हुई जिसमें 94 छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण की!

कक्षा 12वीं परीक्षा में 130 छात्राएं सम्मिलित हुई जिसमें 100 छात्राएं उत्तीर्ण हुई विद्यालय की कक्षा 10वीं की छात्रा कु.मनीषा ने 93त्नअंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया!एवं कक्षा 12वीं वाणिज्य संकाय की छात्रा कु.जया शर्मा ने 94त्न अंक प्राप्त कर विद्यालय मे प्रथम स्थान प्राप्त किया इसी प्रकार जीवविज्ञान संकाय की छात्रा कु.जैनब ने 81त्नअंक, गणित संकाय की छात्रा अनुराग डोडिया ने 76त्न अंक, तथा कला संकाय की छात्रा कु.जीकरा बी ने 85त्न अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया!

संस्था प्राचार्य महेंद्रसिंह पवार ने सभी छात्राओं को सर्वोच्च अंक प्राप्ति पर आशीष प्रदान कर उज्जवल भविष्य की कामना की संस्था के सभी शिक्षकों महेंद्र सिंह सोलंकी,कपिलेंद्र सिंह निगम, लोकेंद्र कुमार चतुर्वेदी,विनोद सिसोदिया,निर्मल चौहान,जगदीश मालवीय, सचिन शर्मा,अर्जुन पाटीदार,शब्बीर मंसूरी,दीपक देवड़ा,माधव शर्मा,रुकसाना काजी, पुष्पा पोरवाल,चंद्रकला भट्ट, रश्मि चांदना,लाडकुँवर गोयल, उषा बामनिया,पूजा ठाकुर,शेफाली व्यास, परवीन खान,चंचल शर्मा, काजल शर्मा द्वारा सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी।

विद्यार्थियों की उपलब्धि उनके परिश्रम, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम

कलेक्टर ने बोर्ड परीक्षा में राज्य एवं जिला मेरिट सूची में स्थान प्राप्त विद्यार्थियों का किया सम्मान

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश द्वारा घोषित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य एवं जिला स्तर की प्रवीण्य (मेरिट) सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का कलेक्टर प्रीति यादव द्वारा सम्मान किया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों को पुष्पमाला पहनाकर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनकी सफलता का उत्सव भी मनाया गया। कलेक्टर ने विशेष रूप से छात्रा रचना पिता नारायण लाल), छात्रा खुशी पिता दिलीप, छात्रा वेदिका पिता जगदीश पालीवाल, छात्र जयेश (पिता बंसीलाल जैन एवं छात्र लोकेन्द्र पिता कुशाल सिंह का पुष्पमाला से सम्मान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके परिश्रम, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। यह सफलता जिले के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी है।

कलेक्टर ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए तथा अपने लक्ष्य को निर्धारित कर उसी दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों एवं शिक्षकों की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना यह सफलता संभव नहीं होती।

कार्यक्रम में राज्य स्तरीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों सहित जिला स्तरीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अभिभावक भी उपस्थित रहे।

जनगणना कार्यक्रम के अंतर्गत 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व गणना का कार्य किया जाएगा

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। जनगणना 2027 के कार्यों को सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संपादित करने के उद्देश्य से आज 15 अप्रैल 2026 को जिले में चार्ज स्तर पर प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं, दायित्वों एवं कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे कार्य निष्पादन में एकरूपता एवं दक्षता सुनिश्चित की जा सके।

सेंकड़ो कि संख्या में तहसील कार्यालय पहुंचे किसान..

कनवासा सोसाइटी के खिलाफ भ्रामक खबरों पर किसानों का कड़ा विरोध, निष्पक्ष जांच की मांग

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कनवासा सहकारी समिति के संबंध में दिनांक 14-04-2026 को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों को लेकर क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इन खबरों में समर्थन मूल्य खरीदी के दौरान रिश्वत लेने तथा किसानों की ट्रॉलियां रोकने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिन्हें किसानों ने पूर्णतः भ्रामक, निराधार और तथ्यहीन बताया है।

इसी के विरोध में आज बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान, भारतीय किसान एवं मजदूर सेना के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) देपालपुर को ज्ञापन सौंपने पहुंचे। इस दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव चंदनसिंह बड़वाया, सरपंच पर्वत सिंह बड़वाया सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

किसानों ने एकजुट होकर स्पष्ट किया कि कनवासा सहकारी समिति के प्रबंधक श्री मनोज शर्मा पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद हैं और यह उनकी छवि को धूमिल करने की साजिश है।

किसानों ने कहा कि श्री मनोज शर्मा का कार्यकाल हमेशा पारदर्शी, ईमानदार और किसानों के हित में रहा है। उन्होंने कभी किसी किसान से किसी प्रकार की अवैध मांग नहीं की, बल्कि वे हमेशा किसानों की सुविधा और सहायता के लिए तत्पर रहते हैं। यहां तक कि किसानों ने यह भी कहा कि वे किसी से ÷चाय तक स्वीकार नहीं करते÷, जो उनकी कार्यशैली की ईमानदारी को दर्शाता है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि बड़े कांटे पर तुलाई को लेकर जो बातें प्रचारित की जा रही हैं, वे भी तथ्यहीन हैं, क्योंकि वर्तमान में ऐसा कोई वैधानिक आदेश लागू नहीं है। ऐसी स्थिति में उस आधार पर आरोप लगाना पूरी तरह गलत और भ्रामक है।

किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि तहसीलदार को प्रस्तुत किया गया शिकायत पत्र भी असत्य और मनगढ़ंत प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य केवल समिति की छवि खराब करना और अनावश्यक विवाद उत्पन्न करना है। समिति से जुड़े चारों गांवों–कनवासा, रुद्राख्या, सुनाला और चांदनखेड़ी–के किसी भी किसान द्वारा आज तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, जो इन आरोपों की सच्चाई को स्वयं स्पष्ट करता है।

प्रकाशित खबरों के कारण क्षेत्र में भ्रम और असंतोष का माहौल बना है, जिससे किसानों और समिति के कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि बिना जांच के किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।

किसानों की प्रमुख मांगें- श्री मनोज शर्मा के विरुद्ध किसी भी प्रकार की कार्रवाई जांच पूरी होने से पहले न की जाए।

पूरे प्रकरण एवं प्रस्तुत शिकायत पत्र की निष्पक्ष और गहन जांच करवाई जाए।

यदि शिकायत झूठी पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

किसानों ने प्रशासन को चेतावनी भरे शब्दों में कहा कि यदि इस प्रकार की भ्रामक खबरों और झूठी शिकायतों पर समय रहते रोक नहीं लगाई गई, तो इससे किसानों में असंतोष और बढ़ेगा।

अंत में किसानों ने विश्वास जताया कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच कर न्याय सुनिश्चित करेगा।ज्ञापन देने में किसान भारत सिंह बड़वाया. यशवंत सिंह अंजना. फूलसिंह बड़वाया. सत्यनारायण बड़वाया. काना जी सेठ. बहादुर सिंह बड़वाया. अर्जुन सिंह दरबार जनपद सदस्य. संतोष बड़वाया. दिनेश जादव. लाखन बड़वाया.दिनेश बड़वाया. अंकित बड़वाया.राधेश्याम जी बड़वाया ओर कई सेकड़ो किसान ज्ञापन देने में शामिल हुवे.

बड़ावदा में धूमधाम से मनाई गई सेन जयंती

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संत शिरोमणि 1008 श्री सेन जी महाराज का 726वां जन्मोत्सव नगर में हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें सजे-धजे घोड़े और बैंड-बाजों की मधुर धुनों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई लक्ष्मीकांत व्यायामशाला पहुंची। यात्रा के दौरान संत श्री सेन जी महाराज की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

लक्ष्मीकांत व्यायामशाला में संत श्री सेन जी महाराज के चित्र के समक्ष विधिवत पूजा-अर्चना एवं भव्य आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाजजनों में विशेष उत्साह और आस्था देखने को मिली।

इसके पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के क्षेत्रों से आए समाजबंधुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर प्रसादी ग्रहण की।

आयोजन के माध्यम से समाज की एकता, आस्था एवं सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

एक करोड़ तिरेसठ लाख रुपये तक पहुँचा सहयोग

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया पी.एम.यू.एम. एस शिक्षक संघ द्वारा अपने दिवंगत सदस्यों के परिजनों को आर्थिक संबल प्रदान करने का सराहनीय कार्य निरंतर जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कर्मचारी कल्याण कोष योजना के माध्यम से इस बार दो दिवंगत सदस्यों के परिवारों को एक साथ सहयोग प्रदान किया जा रहा है। स्व. श्री महेन्द्र सिंह मुवेले जी के परिवार को अब तक लगभग 23 लाख रुपये तथा स्व. श्री रेवाराम अलोने जी के परिवार को 27 लाख रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की जा चुकी है। यह सहयोग प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 तक जारी रहेगी। संघ के अनुसार वर्तमान में लगभग 1 लाख 6 हजार शिक्षक एवं कर्मचारी सदस्यता ले चुके हैं, जिनमें शिक्षा विभाग के अधिकारी, बाबू एवं चपरासी भी शामिल हैं।

बदनावर में आस्था और सेवा का महाकुंभ

नि:शुल्क 25 कन्याओं का विवाह पूर्ण हिंदू रीति-रिवाज के साथ संपन्न होगा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी 19 अप्रैल 2026 को बदनावर की धरा एक ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। यह कार्यक्रम केवल एक विवाह समारोह नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और गुरु-भक्ति का एक जीवंत उदाहरण है। एक पुनीत संकल्प स्व. श्रीमती सीता-भुवानजी चौधरी (रतलाम) की पावन स्मृति में आयोजित यह नि:शुल्क सामूहिक विवाह सनातन संस्कृति के सेवा भाव को दर्शाता है। इसमें 25 कन्याओं का विवाह पूर्ण हिंदू रीति-रिवाज के साथ संपन्न होगा।आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को संबल प्रदान करने के उद्देश्य से यह आयोजन पूरी तरह नि:शुल्क रखा गया है, जिसमें चौधरी परिवार का विशेष योगदान है।

श्री नर्मदानंद बापजी गुरुदेव का 23वां संन्यास दीक्षा उत्सव यह दिन आध्यात्मिक दृष्टि से भी विशेष है। परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री 1008 अवधूत श्री नर्मदानंद बापजी का 23वां संन्यास दीक्षा उत्सव मनाया जाएगा। गुरुदेव ने हाल ही में अपनी तृतीय राष्ट्र समर्पित नर्मदा परिक्रमा पूर्ण की है। इस कठिन तपस्या की पूर्णता पर भक्तगण उनका अभिनंदन और गुरु पूजन करेंगे।शताब्दी महोत्सव का हिस्सा- यह कार्यक्रम केशव भगवान वति जी महानिर्वाण शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जो इसकी महत्ता को कई गुना बढ़ा देता है। आयोजन श्री सांवरिया सेठ मंदिर भैसोला रोड पर संपन्न होगा। सीमा-राजेश चौधरी रतलाम और राजेश-भुवान चौधरी ने इस आयोजन की मुख्य जिम्मेदारी संभाली है। साथ ही अमृतलाल-गंगाराम पायल संदला और कैलाश-बाबूलाल जाट बदनावर सहित एवं अन्य मित्रों का सहयोग इस आयोजन को सामाजिक मजबूती प्रदान कर रहा है। अक्षय तृतीया के निकट होने वाला यह आयोजन बदनावर क्षेत्र में धार्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संचार करेगा। आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमियों से आग्रह किया है कि वे इस उत्सव में शामिल होकर कन्यादान और गुरु कृपा के साक्षी बनें।

सांदीपनि शा. उ. मा. वि. बड़ावदा का परीक्षा परिणाम घोषित, विद्यार्थियों ने लहराया परचम

बड़ावदा/ पविण विकास/ दैनिक मालवा हेराल्ड सांदीपनि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बड़ावदा का कक्षा 10वीं एवं 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। इस वर्ष विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया।

कक्षा 12वीं का शानदार परिणाम- कक्षा 12वीं में कुल 86 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें सभी 86 परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें से 73 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिससे कुल परिणाम 84.88 प्रतिशत रहा।

प्रथम श्रेणी में 47 तथा द्वितीय श्रेणी में 26 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

मेरिट सूची (कक्षा 12वीं)

कला संकाय- प्रथम - समृद्धि मुकेश बैरागी (461/500, 92.2%)

द्वितीय - उर्मिला कैलाश भीलवाड़ा (453/500, 90.6%)

विज्ञान संकाय (गणित)- प्रथम - करण चंद्रशेखर राठौड़ (287/500, 57.4%)

द्वितीय - मनीष मनोहर परमार (279/500, 55.8त्न)

विज्ञान संकाय (जीव विज्ञान)

प्रथम - पायल संतोष प्रजापत (426/500, 85.2%)

द्वितीय - सपना दिनेश राठौड़ (361/500, 72.2%)

कक्षा 10वीं का परिणाम- कक्षा 10वीं में कुल 141 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 138 परीक्षा में सम्मिलित हुए। इनमें 82 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए और कुल परिणाम 59.42 प्रतिशत रहा।

प्रथम श्रेणी में 38, द्वितीय श्रेणी में 43 एवं तृतीय श्रेणी में 1 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुआ।

मेरिट सूची (कक्षा 10वीं)

प्रथम - मनीषा (पिता- दिलीप प्रजापत) 455/500 (91%)

द्वितीय - मोहित (पिता- कैलाश मालीवाड़) 434/500 (86.8%)

विद्यालय के प्राचार्य गोविन्द सिंह मालीवाड़ एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार में परिणाम को लेकर उत्साह और खुशी का माहौल रहा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पंचक्रोशी यात्रियों का नगर प्रवेश आज, जगह-जगह होगा स्वागत

उंडासा पड़ाव से जत्थों में लौटेंगे श्रद्धालु, आज होगा विधिवत समापन, अष्टतीर्थ यात्रा भी होगी प्रारंभ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। तपती गर्मी और लगभग 40 डिग्री तापमान के बावजूद आस्था की डोर थामे पंचक्रोशी यात्रियों का विधिवत नगर प्रवेश आज होगा लेकिन एक दिन पहले बुधवार को इसकी शुरुआत हो गई थी। सुबह से ही अलग-अलग जत्थों में श्रद्धालु उंडासा पड़ाव से शहर की ओर बढ़ते नजर आए। शहर में प्रवेश के साथ ही जगह-जगह पंचकोशी यात्रियों का स्वागत किया जा रहा था। वहीं बीती रात उंडासा पड़ाव पर हजारों यात्रियों ने रात्रि विश्राम किया और आज सुबह नगर प्रवेश कर जाएंगे। इसी के साथ आज से अष्टतीर्थ यात्रा भी शुरू हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि जो श्रद्धालु निर्धारित समय से पहले 12 अप्रैल से पूर्व ही 118 किलोमीटर लंबी पंचकोशी यात्रा पर निकल गए थे, वे अब धीरे-धीरे गुरुवार शाम तक नगर लौट रहे थे। वहीं तय समय पर यात्रा शुरू करने वाले श्रद्धालु आज 16 अप्रैल को विधिवत रूप से यात्रा पूर्ण कर नगर प्रवेश करेंगे। इस दौरान वे अष्टतीर्थ यात्रा भी प्रारंभ करेंगे। यात्रा के अंतिम चरण में श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान को बल लौटाएंगे। इसके बाद कर्कराज मंदिर, रेती घाट से अष्टतीर्थ यात्रा की शुरुआत होगी, जिसमें शिप्रा तट पर स्थित विभिन्न मंदिरों के दर्शन-पूजन किए जाएंगे। आज गुरुवार को शहर में प्रवेश कर रहे श्रद्धालुओं के लिए प्रशासन द्वारा बावन कुंड और सिद्धवट क्षेत्र में स्नान की विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। बीती रात रामघाट और सिद्धवट पर हजारों श्रद्धालुओं ने विश्राम किया और सुबह शिप्रा स्नान कर नगर में प्रवेश किया।

यात्रा मार्ग पर भी भक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिल रहा है। श्रद्धालु चामुंडा चौराहा, देवासगेट, मालीपुरा, नई सड़क, कंठाल और गोपाल मंदिर होते हुए पुनः नागचंद्रेश्वर मंदिर पहुंचेंगे। इसके बाद गुदरी और पानदरीबा से कार्तिक चौक होते हुए शिप्रा तट पहुंचकर स्नान करेंगे और फिर अष्टतीर्थ यात्रा पर निकल पड़ेंगे

एक नजर में पंचक्रोशी यात्रा

-118 किलोमीटर लंबी पंचक्रोशी यात्रा का 12 अप्रैल से हुआ शुभारंभ
-16 अप्रैल को होगा विधिवत समापन
-हजारों श्रद्धालु भीषण गर्मी में भी कर रहे पदयात्रा
-नागचंद्रेश्वर मंदिर में बल लौटाने की परंपरा
-अष्टतीर्थ यात्रा में शिप्रा तट के प्रमुख मंदिरों के दर्शन
आस्था और परंपरा का संगम- पंचकोशी यात्रा के पूरे आयोजन में आस्था, परंपरा और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। थकान और तपिश के बीच भी श्रद्धालुओं के चेहरे पर भक्ति और संतोष साफ झलक रहा है। उज्जैन एक बार फिर धर्म और श्रद्धा के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

मक्सी रोड ब्रिज से कूदी 12 वीं की छात्रा, हाथ पैर टूटे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कक्षा 12वीं की छात्रा ने बुधवार के ऊपर मक्सी रोड ब्रिज से कूद कर जान देने का प्रयास किया लेकिन उसके हाथ पैर टूट गए। घायल छात्रा को लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया सहेली ने परिजनों को सूचना दी। छात्रा ने अपना रिजल्ट देखने के बाद आत्मघाती कदम उठाया था। दशहरा मैदान स्कूल में पढ़ने वाली कक्षा 12वीं की छात्रा दीपिका पिता कैलाश मालवीय 18 साल नानाखेड़ा लोहार पट्टी की रहने वाली है। बुधवार को बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट घोषित हुआ था वह अपना रिजल्ट देखने के लिए सहेली के घर गोपालपुरा पहुंची थी, जहां से दोनों रिजल्ट देखने एमपी ऑनलाइन पर गए वापस लौटने पर दीपिका को एक विषय में पूरक आई थी जिसके चलते वह डिप्रेशन में आ गई थी उसने सहेली को घर छोड़ा और अपने घर जाने का बोलकर निकल गई लेकिन वह घर ना जाकर गोपालपुरा मक्सी रोड ब्रिज पर और ऊपर से ही कूद गई। घटनाक्रम की जानकारी सहेली को मिली तो वह तत्काल ब्रिज के नीचे पहुंची और दीपिका को अस्पताल पहुंचाया, पंवासा थाना पुलिस के अनुसार घायल छात्र के बयान दर्ज किए गए हैं उसका एक हाथ और एक पैर फैक्चर हुआ है निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है छात्र ने पूरक आने पर इस तरह का कदम उठाने की बात कही है। घटना की जानकारी घायल छात्र की सहेली यांशिका नागवंशी ने उसके परिजनों को दी थी इसके बाद परिवार अस्पताल पहुंच गया था।

जमीन विवाद में वृद्ध सास को जलाकर मारने का प्रयास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जमीन विवाद को लेकर बहू ने अपनी बेटियों के साथ मिलकर 100 साल की सास से विवाद किया और खेत में जल रहे खापों के बीच फेंक दिया। झुलसी हालत में बुजुर्ग महिला को उपचार के लिए चरक अस्पताल लाया गया है।

तराना के ग्राम लसूडिया बेचर से झुलसी हालत में रामकुंवर बाई पति इंदु सिंह 100 साल को पोते विजय और कृपाल उपचार के लिए रात में चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। पोते विजय ने बताया कि दादी के तीन बेटे थे एक रमेश सिंह दूसरा मोडसिंह और तीसरा मेहरबान सिंह। कुछ साल पहले मेहरबान ने 11 बीघा जमीन खरीदी थी, लेकिन वर्ष 2018 में मेहरबान की मौत हो गई।

उसके द्वारा खरीदी गई 11 बीघा जमीन रामकुंवरबाई के पास थी, उनका कहना था कि 11 बीघा जमीन का तीनों भाइयों के परिवार के बीच बटवारा किया जाएगा, लेकिन मेहरबान की पत्नी कृष्णाबाई जमीन का बटवारा नहीं चाहती थी और आए दिन विवाद करने लगी थी। जिसके चलते दादी अपने दो बेटे रमेश और मोडसिंह के साथ रहने लगी थी। मंगलवार शाम को कृष्णाबाई अपनी दो बेटी पूजा और कविता के साथ घर आई और दादी से विवाद करने लगी तीनों ने दादी को उठाकर घर के समीप खेत में जल रहे खापों के बीच पटक दिया, जिसके चलते दादी के हाथ पैर झुलस गए हैं। दोनों पोते विजय और कृपाल का कहना था कि ग्रामीणों की मदद से दादी को बचाया और उपचार के लिए उज्जैन लेकर आए हैं। मामले की शिकायत पुलिस से की गई है।

उपार्जन केंद्रों पर उपार्जन सुबह 8 बजे से शुरू करें

किसानों की सुविधा दृष्टिगत प्रत्येक समिति पर चार तौल कांटों की अनिवार्यता सुनिश्चित करें

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट के साथ बुधवार को जिले के गेहूंउपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केंद्रों पर स्लॉट बुकिंग ,छांव, पेयजल, मेडिकल सुविधा ,उपार्जन प्रक्रिया आदि व्यवस्थाओं का सूक्ष्म अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने किसानों की सुविधा के दृष्टिगत उपार्जन कार्य तेजी से करने के लिए उपार्जन सुबह 08 बजे से शुरू करने और प्रत्येक समिति को कम से कम चार तौल कांटों का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने सबसे पहले ग्राम मानपुरा स्थित उपार्जन केंद्र अडानी एग्रो स्टील सायलो का निरीक्षण किया। इसके पश्चात देवास रोड़ स्थित कल्याण एक्सप्रेस वेयरहाउस केंद्रों का निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केंद्र अडानी एग्रो स्टील सायलो केंद्र ग्राम मानपुरा पर गेहूं के परीक्षण की प्रक्रिया देखी। कलेक्टर श्री सिंह ने यहां पर गेहूं में नमी की टेस्टिंग करने वाली मशीन पर सम्बंधित कृषक की फसल का परीक्षण करवाकर गेहूं के नमूने को देखा।

जिले में स्लॉट बुकिंग कर उपार्जन सुव्यस्थित रूप से किया जा रहा है - जिले में उपार्जन केंद्रों पर गेहूं उपार्जन स्लॉट बुकिंग कर सुव्यस्थित रूप से किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान ग्राम निनोरा के कृषक श्री तंवर से चर्चा कर उपार्जन की प्रक्रिया की जानकारी ली। कृषक ने जानकारी दी कि स्लॉट बुकिंग कर उपार्जन केंद्र पहुंचने पर सुगमता से गेहूं उपार्जन हो रहा है।स्लॉट बुकिंग कर निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचने पर लंबी लाइन में नहीं लगना पड़ रहा है।

महाकाल मंदिर समिति के स्टॉलों पर 10 हजार पंचकोशी यात्रियों ने किया भोजन ग्रहण

प्रमुख पड़ावों पर सफलतापूर्वक चल रही व्यवस्था, दुग्धेश्वर महादेव पड़ाव पर भी हुआ भोजन वितरण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचक्रोशी यात्रा के दौरान महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए की गई निःशुल्क भोजन प्रसादी व्यवस्था सफलतापूर्वक चलाई जा रही है। इस दौरान 10 हजार से अधिक पंचकोशी यात्रियों ने समिति के स्टॉलों पर भोजन प्रसादी ग्रहण की।

यात्रा के विभिन्न प्रमुख पड़ावों पर भोजन वितरण की व्यवस्था सुव्यवस्थित ढंग से की गई। तीसरे पड़ाव बिलेश्वर महादेव एवं अंबोदिया डेम पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इससे पूर्व कायावहरणेश्वर महादेव मंदिर (करोहन) में भी श्रद्धालुओं को भोजन उपलब्ध कराया गया था।

बुधवार को चौथे पड़ाव दुधेश्वर महादेव मंदिर पर भी श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क भोजन प्रसाद का वितरण किया गया, जहां बड़ी संख्या में यात्रियों ने लाभ लिया। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि यात्रा के सभी प्रमुख पड़ावों पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था निरंतर जारी रखी गई, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। वहीं व्यवस्था प्रभारी डिप्टी कलेक्टर एवं उपप्रशासक सिम्मी यादव के अनुसार भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा गया। साथ ही स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई। समिति की इस पहल से पंचक्रोशी यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिल रही है और वे श्रद्धा व भक्ति के साथ अपनी यात्रा पूर्ण कर रहे हैं।

महाकाल मंदिर में 'तत्काल' भस्मार्ती बुकिंग शुरू, अब एक दिन पहले ऑनलाइन मिलेगा स्लॉट

ऑफलाइन परमिशन पूरी तरह बंद, 200 रुपए शुल्क तय, सुबह 8 बजे खुलेगा पोर्टल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की भस्मार्ती में शामिल होने की प्रक्रिया को मंदिर प्रबंध समिति ने पूरी तरह डिजिटल बना दिया है। अब श्रद्धालुओं को परमिशन के लिए आधी रात से काउंटर पर लंबी कतारों में खड़े रहने की जरूरत नहीं होगी। समिति ने ऑफलाइन व्यवस्था समाप्त कर 'तत्काल' ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली लागू कर दी है।

नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु अब भस्मार्ती में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही ऑनलाइन स्लॉट बुक कर सकेंगे। यह बुकिंग पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगी। मंदिर में प्रतिदिन मिलने वाली करीब 1900 परमिशन में से पहले 300 परमिशन ऑफलाइन दी जाती थीं, जिन्हें अब तत्काल कोटे में ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाएगा।तत्काल बुकिंग के लिए प्रति श्रद्धालु 200 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी श्रद्धालु को 18 अप्रैल की भस्मार्ती में शामिल होना है तो उसे 17 अप्रैल को सुबह ठीक 8 बजे मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर लॉगिन कर बुकिंग करनी होगी। पोर्टल खुलते ही 300 सीटें कुछ ही समय में भरने की संभावना रहती है। मंदिर समिति के अनुसार इस नई व्यवस्था से श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि पहले उन्हें 5 से 6 घंटे तक लाइन में लगकर परमिशन लेनी पड़ती थी। अब यह पूरी प्रक्रिया घर बैठे आसानी से की जा सकेगी। इसके साथ ही नियमित ऑनलाइन बुकिंग के नियमों में भी बदलाव किया गया है। पहले श्रद्धालु तीन महीने पहले तक बुकिंग कर सकते थे, लेकिन अब यह अवधि घटाकर एक महीने कर दी गई है। इसके तहत जून माह की बुकिंग 1 मई से और जुलाई माह की बुकिंग 1 जून से शुरू होगी।

भस्मार्ती के अलावा मंदिर की अन्य आरतियों को भी डिजिटल कर दिया गया है। संध्या आरती के लिए दोपहर 12 बजे और शयन आरती के लिए शाम 4 बजे ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल खुलेगा। इन आरतियों में बैठकर दर्शन करने के लिए 250-250 रुपए शुल्क देना होगा। हालांकि, सामान्य लाइन में चलते हुए दर्शन की व्यवस्था पहले की तरह निःशुल्क जारी रहेगी। मंदिर समिति के अधिकारियों का कहना है कि नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी, जिससे व्यवस्था अधिक सुव्यवस्थित और सरल हो सकेगी।

77 करोड़ से उज्जैन में बन रहा आधुनिक गीता भवन, त्रिवेणी विहार में शुरू हुआ निर्माण कार्य

ऑडिटोरियम और ई-लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। त्रिवेणी विहार क्षेत्र में 77 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले आधुनिक गीता भवन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) द्वारा इस परियोजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है।

उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि फिलहाल निर्माण स्थल पर मशीनों से खुदाई का काम जारी है। करीब 1 लाख वर्गफीट क्षेत्र में बनने वाला यह भवन धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। खास बात यह है कि इसमें 12,700 वर्गफीट का अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और 3,600 वर्गफीट की ई-लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी, जिससे यह भवन आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इस परियोजना का भूमिपूजन 17 मार्च को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा किया गया था। उस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा था कि प्रदेश में लगातार विकास कार्यों से नई पहचान बन रही है और उज्जैन को धार्मिक पर्यटन का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

गीता भवन के निर्माण से न केवल धार्मिक आयोजनों को नया आयाम मिलेगा, बल्कि यह क्षेत्र का एक प्रमुख लैंडमार्क भी बनेगा। साथ ही, देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। निर्माण कार्य की शुरुआत जिस तेजी से हुई है, उससे उम्मीद जताई जा रही है कि तय समयसीमा में यह परियोजना पूरी कर ली जाएगी।

सिंहस्थ 2028 के लिए बड़े स्तर पर विकास

-सिंहस्थ 2028 के लिए 13 हजार करोड़ रुपए से अधिक के काम जारी
-वर्ष 2026-27 में 3060 करोड़ रुपए का विशेष प्रावधान
-मेला क्षेत्र के प्रमुख मार्गों का पुनर्निर्माण भी शुरू
-श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखकर हो रहे कार्य

गीता भवन की खास बातें

लागत- 77.14 करोड़ रुपए
क्षेत्रफल- 1 लाख वर्गफीट
ऑडिटोरियम- 12,700 वर्गफीट
ई-लाइब्रेरी- 3,600 वर्गफीट
उपयोग- धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन

गर्मी से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभाव से बचाव, रोकथाम और जागरूकता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। माह मार्च से माह जुलाई तक तापमान में बढ़ोत्तरी परिलक्षित होती है। वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन से तापमान में हो रही वृद्धि के कारण हमारे स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव परिलक्षित होता है।जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि अधिक तापमान के कारण होने वाले स्वास्थ्य पर दुष्प्रभावों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए समयानुसार उपाय किए जाए, ताकि मानव स्वास्थ्य को होने वाली हानि से यथासंभव बचाया जा सकें।

लू - हीट स्ट्रोक (सन स्ट्रोक) शरीर की वह अवस्था है जिसमें गर्मी के कारण शरीर का तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस (104.0 डिग्री फेरेनहाइट) के पास पहुँच जाता है और मन में उलझन की स्थिति रहती है। यह स्थिति एकाएक आ सकती है या धीरे-धीरे। इस समस्या की जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बन्द कर सकती है।

संभागायुक्त श्री सिंह ने गेहूं खरीदी केंद्र पहुंचकर किसानों से चर्चा की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने बुधवार को गेहूं खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने खरीदी केंद्रों पर उपस्थित किसानों से गेहूं उपार्जन की प्रक्रिया की जानकारी ली। साथ ही किसानों से केंद्रों पर उपलब्ध सुविधा को लेकर भी चर्चा की। मौके पर निरीक्षण के बाद संभागायुक्त श्री सिंह ने गेहूं उपार्जन केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं खरीदी के संबंध में समस्त जानकारी संधारित की जाए। यह भी ध्यान रखा जाए कि किसान किसी तरह परेशान नहीं हो।

सड़क चौड़ीकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, बारिश से पहले हर हाल में पूरे हों आधारभूत काम

संभागायुक्त और कलेक्टर के सख्त निर्देश – धीमी रफ्तार पर नाराजगी, गुणवत्ता और समयसीमा पर विशेष जोर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर प्रशासन अब पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आ रहा है। मंगलवार को संभागायुक्त और कलेक्टर ने शहर में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्यों का पैदल निरीक्षण किया और अधिकारियों को साफ शब्दों में चेतावनी दी कि काम की रफ्तार तुरंत बढ़ाई जाए। संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने दो टूक कहा कि बारिश शुरू होने से पहले हर हाल में सभी आधारभूत कार्य पूरे कर लिए जाएं, ताकि निर्माण कार्य प्रभावित न हो और आमजन को परेशानी न झेलनी पड़े। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

औपचारिकता नहीं, काम चाहिए- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के बाद प्रशासन ने तैयारियों की गति तेज कर दी है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर की प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि गुणवत्ता से समझौता किए बिना तय समयसीमा में काम पूरा किया जाए। संभागायुक्त ने कहा कि अब निरीक्षण केवल औपचारिकता नहीं रहेगा, बल्कि हर दिन प्रगति की सख्ती से समीक्षा होगी।

देवास रोड से पंचमपुरा तक काम तेज हो- निरीक्षण के दौरान देवास रोड स्थित हामूखेड़ी मार्ग पर चल रहे चौड़ीकरण कार्य का जायजा लिया गया। यहां पेयजल और सीवरेज लाइन का काम जारी है। संभागायुक्त ने स्पष्ट कहा कि रोजाना प्रगति बढ़ाई जाए, किसी भी स्थिति में काम लटका नहीं रहना चाहिए।पंचमपुरा चौराहा से दो तालाब तक सीसी सड़क निर्माण में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को चेताया गया कि अधूरे काम बारिश में बड़ी समस्या बन सकते हैं।

नानाखेड़ा-शांति पैलेस मार्ग पर नाले का काम पहले करें- नानाखेड़ा गेल चौराहे से शांति पैलेस तक निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए पाया गया कि कुछ हिस्सों में कार्य प्रगति धीमी है। यहां 400 मीटर क्षेत्र में लाइट और पाइपलाइन का काम पूरा हो चुका है, लेकिन बीच में स्थित बड़े नाले का काम अभी बाकी है।

संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि नाले का निर्माण बारिश से पहले हर हाल में पूरा किया जाए।

जहां खुदाई हो चुकी, वहां काम शुरू करें- शांतिनगर-नीलगंगा, मंछामन-हरिफाटक, कोयला फाटक से नरेंद्र टॉकीज तिराहा सहित कई प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया गया। जहां-जहां खुदाई हो चुकी है, वहां तुरंत आधारभूत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए।

विशेष रूप से पानी निकासी व्यवस्था को लेकर सख्ती दिखाई गई। अधिकारियों से कहा गया कि बारिश से पहले नालियों का निर्माण पूरा करें, ताकि जलभराव की स्थिति न बने।

टंकी हटाते वक्त सुरक्षा का रखें ध्यान- अधिकारियों ने वीडी क्लॉथ मार्केट, तेलीवाड़ा, केडी गेट और टंकी चौक क्षेत्र में भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि टंकी चौक पर पुरानी लोहे की पानी की टंकी को हटाने के कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त ने साफ कहा कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कार्य तय समयसीमा में पूरे किए जाएं।

पुलिस कस्टडी से भागने के प्रयास में बदमाश हुआ घायल

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ढांचा भवन स्थित मकान में हुई आगजनी की घटना में शामिल बदमाश ने मंगलवार रात पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास किया लेकिन अंधेरे में गिरकर घायल हो गया। बदमाश का पुलिस ने प्राथमिक उपचार कराया गया है।

चिमनगंज थाना क्षेत्र के ढांचा भवन में रौनक गुर्जर के मकान में 11 अप्रैल की रात 12 से 15 बदमाशों ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी और गोलियां चलाई थी। मकान में लगी आग की शिकायत रौनक गुर्जर के पिता मनोहर गुर्जर द्वारा पुलिस को दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मकान के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे तो उसमें 5 बाइक से आये बदमाश आगजनी के साथ गोली चलाते दिखाई दिये थे। जिनकी पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किये गये थे। सोमवार-मंगलवार रात आगजनी में शामिल कमल पिता संतोष परमार 22 साल निवासी निजातपुरा को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में उसने आगजनी में अपने साथियों के नाम बताये। चिमनगंज थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया ने उसके फरार साथियों के संबंध में पूछताछ शुरू की। कमल ने बताया कि रात में साथियों का ठिकाना मक्सीरोड श्री सिंथेटिक्स के जंगल में होता है। थाना प्रभारी कनोड़िया, एसआई जयदीप राठौर, आरक्षक आनंद मिश्रा, संदीप, जगदीश के साथ उसे लेकर साथियों की तलाश में मंगलवार रात श्री सिंथेटिक्स के जंगल पहुंचे, जहां अंधेरे का फायदा उठाकर कमल ने पुलिस अभिरक्षा से भागने का प्रयास किया। लेकिन खंडहर हो चुकी श्री सिंथेटिक्स के मार्ग पर पत्थरों से टकराने के बाद बदमाश कमल गिर गया और उसके पैर में चोंट लगी। पुलिस ने उसे तत्काल दबोच लिया और कस्टडी में लेकर रात 11 बजे चरक अस्पताल आई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद वापस थाने ले जाया गया। बुधवार दोपहर बदमाश को न्यायालय में पेश किया गया।

जीजा ने पिता के साथ मिलकर साले को मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बहन का कॉल आने पर भाई उसके ससुराल पहुंचा तो बहन के पति ने अपने पिता के साथ मिलकर चाकू मार दिए। पुलिस ने मामला दर्ज किया है घायल को उपचार के लिए उज्जैन रेफर किया गया है।

झारडा थाना क्षेत्र के ग्राम ढाबला सिया में रहने वाले विकास पिता गोपाल की बहन पूजा का विवाह महिदपुर के समीप ग्राम आक्या लिम्बा में हुआ है। मंगलवार शाम पूजा ने भाई विकास को कॉल किया और कहा कि तेरे जीजा शराब पीकर मारपीट कर रहे हैं लेने आजा। विकास बाइक से बहन के ससुराल पहुंचा और जीजा राहुल को समझने का प्रयास करने लगा लेकिन जीजा और गुस्से में आ गया और उसने विवाद शुरू कर दिया इसी बीच जीजा के पिता हीरालाल भी बीच में आ गए और उन्होंने विकास के दोनों हाथ पकड़ लिए तभी जीजा राहुल ने चाकू से हमला कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। चाकू के दो से तीन घाव लगने पर विकास खून से लथपथ हो गया।

आसपास के लोग एकत्रित हुए तो चाकू मारने वाले पिता पुत्र भाग निकले। घायल विकास को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां से उसे रात में उज्जैन रेफर किया गया है। मामले में महिदपुर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर चाकू मारने वाले पिता पुत्र की तलाश शुरू की है।